



इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में कर्नाटक पुलिस को पहला स्थान: सीएम @ नम्मा बंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 | अंक-295

इंजीनियरों और डिप्लोमा धारकों को विदेश में बेचने वाला गिरोह पकड़ाया

35 सौ डॉलर में बेच डालते हैं एक इंजीनियर

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और कुछ अन्य राज्यों की पुलिस ने साझा कार्रवाई कर ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है, जो इंजीनियर या डिप्लोमा होल्डर बेरोजगार युवकों को जाल में फंसाता है और उन्हें नौकरी का झांसा देकर कंबोडिया और थाईलैंड में बेच देता है। तकनीकी रूप से जानकारी इन युवकों को हाउस अरेस्ट कर

उन्से ऑनलाइन ठगी, डिजिटल इन्वेस्टमेंट, डिजिटल अरेस्ट और ट्रेडिंग के जरिए ठगी करने के तरीके सिखाए जाते हैं और उनसे यह अपराध कराया जाता है। यूपी पुलिस ने उन्नाव निवासी आतिफ खान और इंदौर निवासी अजय कुमार शुक्ला को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने दर्जनों भारतीय युवाओं को प्रति व्यक्ति 3,500 डॉलर के हिसाब से अब तक बेचा है। एडीशनल



डीसीपी आदित्य सिंह ने बताया कि इस गैंग के फिलहाल दो सदस्य ही हाथ लगे हैं। दोनों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि इन लोगों के निशाने पर बेरोजगार युवक रहते हैं।

कंबोडिया और थाईलैंड समेत द. एशियाई देशों में भारी डिमांड बंधक बना कर इनसे कराया जाता है साइबर ठगी का अपराध

क्योंकि ऐसे युवक आसानी से विदेश में नौकरी के नाम पर जाल में फंस जाते हैं। विदेश भेजने के बाद इन युवकों को वहां मौजूद दूसरा एजेंट विभिन्न ठगों के गैंग को बेचता है। प्रति

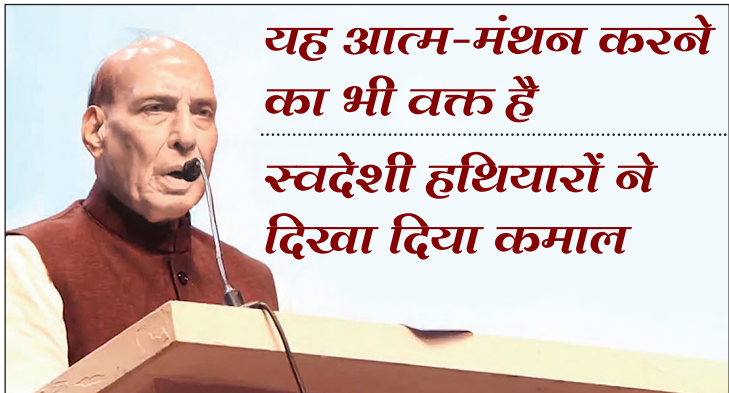
युवक की कीमत लगभग 3500 डॉलर होती है। इसके बाद जो भी इन युवकों को खरीदता है, वो इनको साइबर ठगी की ट्रेनिंग देता है। एक बार जाल में फंसे ये युवक वहां से निकलना चाहें, तो भी नहीं निकल सकते हैं। क्योंकि इनको हाउस अरेस्ट करके रखा जाता है। इनके सारे कागजात भी गैंग अपने पास रखता है, जिससे ये लोग किसी भी तरह भाग न सकें। एडीशनल डीसीपी ने बताया कि शक है कि

ये गैंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। पुलिस अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है। कंबोडिया एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में बैठे साइबर ठग अपने गुगों के जरिए लोगों से ठगी कर रहे हैं। जिससे मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है। यूपी के बरेली शहर में भी साइबर ठगी के कई बड़े मामले पिछले दिनों सामने आ चुके हैं, ▶10

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना को किया आगाह

किसी भी समय युद्ध के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की रक्षा को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं ने दिखा दिया है कि भारत को किसी भी वक्त सीमा पर युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना पड़ेगा। इसके लिए घरेलू हथियार और तकनीक ही आधार बननी चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से बातचीत में जोर दिया कि स्वदेशी सिस्टम्स ने हाल के संघर्ष में कमाल दिखाया है, जैसे ब्रह्मोस मिसाइल, आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल और आकाशतीर एयर डिफेंस कंट्रोल सिस्टम। यह न सिर्फ देश की सुरक्षा मजबूत कर रहे हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि सुधार रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें सिर्फ असेंबली या इंटीग्रेशन पर नहीं रुकना चाहिए, बल्कि असली तकनीक खुद विकसित करनी होगी। ये तैयारी भारत को मजबूत बनाएगी और वैश्विक पटल पर उसकी पोजीशन को और ऊंचा उठाएगी। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया, जो हाल की घटनाओं का एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ये ऑपरेशन एक केस



यह आत्म-मंथन करने का भी वक्त है स्वदेशी हथियारों ने दिखा दिया कमाल

स्टडी की तरह काम कर सकता है, जहां से हम सबक लें और आगे का रास्ता तय करें। ऑपरेशन सिंदूर से एक बार फिर पता चला कि सीमाओं पर कभी भी, कहीं भी कुछ भी हो सकता है। हमें युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना होगा, और ये तैयारी हमारे अपने आधार पर होनी चाहिए। रक्षा मंत्री सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैनुफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने कड़ा जवाब दिया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि सेना पूरी तरह तैयार थी। राजनाथ ने कहा,

इसके साथ ही यह वक्त आत्ममंथन करने का भी है। हमें स्वदेशीकरण की राह पर और आगे बढ़ना होगा। हाल के संघर्ष में इस्तेमाल हुए भारतीय हथियारों ने न सिर्फ काम किया, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर भारत की इमेज को चमकाया। ब्रह्मोस जैसी मिसाइल ने दुश्मन को कारा जवाब दिया, आकाश मिसाइल ने हवाई खतरे को रोका, और आकाशतीर सिस्टम ने एयर डिफेंस को और सशक्त बनाया। ये सिस्टम्स पूरी तरह भारतीय हैं, जो घरेलू उद्योगों की ताकत दिखाते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, भारत को विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करनी होगी।

हमें अपनी तकनीक खुद विकसित करनी है, न कि सिर्फ पारस जोड़ने या असेंबल करने तक सीमित रहना है। उद्योग नेताओं से बात करते हुए उन्होंने बताया कि हाल की घटनाओं ने साबित कर दिया है कि स्वदेशी हथियार कितने कारगर हो सकते हैं। उदाहरण के तौर पर ऑपरेशन सिंदूर में इनके इस्तेमाल से न सिर्फ मिशन सफल हुआ, बल्कि दुनिया को भारत की क्षमता का अहसास भी हुआ। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि सीमाओं पर अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है। इसलिए, सेना को हर संभावना के लिए तैयार रहना जरूरी है। लेकिन ये तैयारी आयातित सामान पर नहीं, बल्कि घरेलू उत्पादन पर टिकी होनी चाहिए। ब्रह्मोस, जो भारत-रूस का जॉइंट वेंचर है लेकिन अब काफी हद तक स्वदेशी, ने दिखाया कि हमारी मिसाइल टेक्नोलॉजी विश्वस्तरीय है। डीआरडीओ द्वारा विकसित एवं निर्मित आकाश मिसाइल ने कमाल दिखाया। उसने हवाई हमलों को नाकाम किया और आकाशतीर सिस्टम ने रीयल-टाइम कंट्रोल में मदद की। इन सबने मिलकर साबित किया कि भारतीय इंजीनियर्स और फैक्ट्रियां अब बड़े गेम में हैं।

12 राज्यों में एसआईआर शुरू होते ही तिलमिलाहट तेज

देशहित की हर पहल का विरोध करता है विपक्ष

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण की घोषणा किए जाने के बाद फिर से विपक्षी दलों में तिलमिलाहट बढ़ गई है। एसआईआर का दूसरा चरण 12 राज्यों में होना है। विपक्ष के कई राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग की घोषणा पर सवाल खड़े किए और तमिलनाडु की सत्ताधारी डीएमके ने तो राहुल गांधी स्टाइल में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवाल उठा दिए। डीएमके के प्रवक्ता सर्वानन अन्नादुरई ने कहा कि असम में एसआईआर क्यों नहीं किया जा रहा है? एसआईआर की प्रक्रिया कब से नागरिकता जांचने की प्रक्रिया बन गई है? जबकि मुख्य चुनाव आयुक्त यह साफ-साफ कह चुके हैं कि असम में एमसीआर लागू है। वहां सुप्रीम कोर्ट की निर्गमानी में नागरिकता जांच की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। 24 जून का एसआईआर आदेश पूरे देश के लिए था, पर असम की विशेष परिस्थिति के कारण यह आदेश वहां लागू नहीं होता। असम के लिए अलग से पुनरीक्षण आदेश जारी किए जाएंगे और अलग एसआईआर तिथि की घोषणा की जाएगी। डीएमके प्रवक्ता ने साल 2003 को कटऑफ साल रखने पर सवाल उठाए और पूछा कि 2003 को ही क्यों



तमिलनाडु में डीएमके, बंगाल में टीएमसी ज्यादा बेचैन

आधार बनाया गया है। इससे किसे फायदा होगा। इसे लेकर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं। डीएमके ने कहा कि हम देख रहे हैं कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है और वोट चोरी में शामिल है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता इस समय सबसे कम है। उधर, पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होते ही सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इसे लेकर कहा, हम भी पारदर्शी मतदाता सूची के पक्ष में हैं। पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक तरीके से होगी, लेकिन अगर वैध मतदाता को परेशान किया गया ▶10

असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लागू होगा

7 साल की होगी सजा, लव जेहाद पर सख्ती

गुवाहाटी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने घोषणा की कि राज्य सरकार पॉलीगैमी यानि एक से ज्यादा शादियां करने के बदचलन पर पूरी तरह बैन लगाने वाला बिल लाएगी। इसमें कम से कम सात साल की सजा का प्रावधान होगा। यह बिल 25 नवंबर को असम विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन पेश किया जाएगा। ये खबर कुछ दिनों पहले सरमा के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कई विधेयक लाने की बात कही थी। इनमें पॉलीगैमी के अलावा लव जेहाद जैसे कुकृत्यों पर नकेल कसने वाले कानून भी शामिल हैं। असम सरकार एक तरफ कानूनी सुधार तो दूसरी तरफ लड़कियों की पढ़ाई को बढ़ावा देने वाली स्क्रीम का विस्तार भी करने जा रही है। सरकार जेंडर से जुड़ी समस्याओं को सोशल और लीगल दोनों तरीकों से हल करने की कोशिश कर रही है। सत्र शुरू होने वाला है, तो सबकी नजरें विधानसभा पर टिकी हैं। सीएम सरमा ने पत्रकारों से बात करते हुए साफ कहा कि पॉलीगैमी अब असम में बर्दाश्त नहीं होगी। दोषी पाए जाने पर न्यूनतम सात साल की जेल की सजा का प्रावधान किया जा रहा है। यह बिल 25 नवंबर को टेबल होगा, जो शीतकालीन सत्र का उद्घाटन दिन है। सरमा ने पहले ही कई बिलों की झलक दी थी, जिनमें पॉलीगैमी और लव जेहाद पर फोकस है। लव जेहाद से उनका मतलब उन मामलों से है, जहां धार्मिक रूप से शादी को बढ़ावा देने के आरोप लगते हैं। ये बिल्स राज्य में सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए हैं। सरमा का कहना है कि ऐसे कानून जरूरी हैं ताकि समाज में बराबरी आए। बिल की डिबेट्स अभी पूरी तरह सामने नहीं आईं, लेकिन सजा का प्रावधान सख्त है। विधानसभा में चर्चा के बाद ही ये कानून बनेगा। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निजत मोड़ना स्क्रीम को और विस्तार दिया। यह स्क्रीम लड़कियों की शिक्षा को ▶10



कर्नाटक सरकार को हाईकोर्ट ने दिया करारा झटका

आरएसएस की गतिविधियों पर रोक नहीं लगेगी

बेंगलुरु, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को झटका देते हुए उसके एक आदेश पर रोक लगा दी है। कर्नाटक सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अंकुश लगाने के बहाने आरएसएस एवं कई संगठनों को सरकारी परिसरों और सार्वजनिक जगहों, सड़कों आदि पर कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने से पहले प्रशासन की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था। कर्नाटक सरकार के इस आदेश को सीधे तौर पर आरएसएस की गतिविधियों को राज्य में बाधित करने के तौर पर देखा जा रहा था। कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने कर्नाटक सरकार के इस आदेश पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार के आदेश के खिलाफ पुनःश्रुति सेवा समस्थे नामक संगठन ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने राज्य सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की सुनवाई 17 नवंबर तक टाल दी है। याचिका दाखिल करने वाले संगठन की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील अशोक हरनहल्ली ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार का आदेश संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध जैसा है। वकील ने कहा कि सरकार का आदेश है कि 10 से ज्यादा लोगों को भी इकट्ठा होने के लिए सरकार की मंजूरी लेनी होगी। यह संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध जैसा है। यहां तक कि अगर किसी पार्क में कोई समारोह होता है तो सरकार के इस आदेश के अनुसार, वह भी अवैध होगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जब पुलिस कानून लागू है तो फिर ऐसे आदेश की जरूरत क्यों पड़ी? सरकार इस तरह के प्रशासनिक आदेश जारी नहीं कर सकती। इस पर राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने जवाब देने के लिए ▶10



रामलीला मैदान से हटाया जाएगा अवैध कब्जा

50 हजार वर्ग फीट सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के तुर्कमान गेट क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक रामलीला मैदान की 45000 वर्ग फीट (लगभग एक एकड़) से अधिक सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर मस्जिद, कब्रिस्तान और बारात घर बनाए जा रहे हैं। दिल्ली सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की कारस्तानी सामने आई है। सर्वे के अनुसार, क्षेत्र में दिल्ली नगर निगम की 37,000 वर्ग फीट जमीन पर बारात घर, निजी क्लीनिक और वाहन पार्किंग बनाई गई है। लगभग 7,400 वर्ग फीट जमीन पर मस्जिद और फैजल शाह कब्रिस्तान का अवैध निर्माण करा लिया गया है। पीडब्ल्यूडी के बचे हुए हिस्से की जमीन और फुटपाथ पर भी अतिक्रमण कर लिया गया है। दिल्ली सरकार ने अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में यह सर्वे कराया था। सर्वे में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडडीओ) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) शामिल था। सेव इंडिया फाउंडेशन के प्रीत सिरौही प्रीत सिरौही ने मई 2025 में साल 1958 के दस्तावेजों के आधार पर सरकार में शिकायत की थी। सिरौही ने शिकायत में कहा था कि वर्तमान में सरकारी जमीन का इस्तेमाल अवैध सांप्रदायिक और कमर्शियल गतिविधियों में किया जा रहा है, जो कि मूल भूमि आवंटन का सीधे तौर पर उल्लंघन है। संबद्ध सरकारी विभागों द्वारा किए गए सर्वे के आधार पर अवैध कब्जेदारों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उसके बाद रामलीला मैदान से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।



कार्टून कॉर्नर



अमेरिकी प्रतिबंध और अमेरिकी दावों का सच

रूस से गैस और कोयला आयात में भारत काफी आगे

एलएनजी और कोयले की सप्लाई में और आगेगी तेजी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच भारत और रूस के बीच ऊर्जा के कारोबार में नई जान फूंकने की बात चल रही है। रूस का कहना है कि वह भारत को लिफ्टाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और कोयला की सप्लाई को और तेज कर सकता है। रूसी एनर्जी मिनिस्टर सर्गेई त्सिविलेव ने साफ कहा है कि भारत अगर अपनी एनर्जी मिक्स में गैस का हिस्सा 15 फीसदी तक ले जाना चाहता है, तो रूस इसके लिए तैयार है। अभी रूस भारत को हर साल करीब 3 मिलियन टन एलएनजी भेजता है, और ये आंकड़ा और ऊपर चढ़ सकता है। कोयला की बात



क्यों तो रूस 2035 तक भारत को 40 मिलियन टन तक एक्सपोर्ट करने का प्लान बना रहा है। ये सब तब हो रहा है जब अमेरिका ने रूस के तेल

कंपनियों रॉसेनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन भारत-रूस का तेल कारोबार फिर भी मजबूत बना हुआ है। भारत रूस के फ्यूल और एनर्जी सेक्टर का एक बड़ा पार्टनर बना हुआ है। रूस भारत को एलएनजी के मौजूदा प्रोजेक्ट्स से ही सप्लाई बढ़ाने को तैयार है, ऊपर से आने वाले प्रोजेक्ट्स भी जोड़े जा सकते हैं। त्सिविलेव ने कहा, भारत के गैस मिक्स को 15 फीसदी तक ले जाने के प्लान को देखते हुए, हम मौजूदा और आने वाले रूसी प्रोजेक्ट्स से एलएनजी ऑफर करने को तैयार हैं। जुलाई में रूस के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर अलेक्जेंडर नोवॉक ने भी कहा था कि ▶10

हजारों मुस्लिमों को ठगने वाला तहसीन अहमद गिरफ्तार

टीएमसी नेता शकील के 'सुपुत्र' ने ठगा 350 करोड़



कोलकाता, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 350 करोड़ के चिटफंड घोटाले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शकील अहमद के बेटे तहसीन अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया है। तहसीन अहमद ने चिटफंड के नाम पर पिछले चार साल में लगभग 500 लोगों से ठगी की है। तहसीन अहमद की गिरफ्तारी के साथ ही उसके पास से लाखों रुपए नकद और सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस को संदेह है कि ये आभूषण चिटफंड घोटाले के पैसे से खरीदे गए हैं। तहसीन अहमद पिछले करीब चार साल से चिटफंड कंपनी चला रहा था। साल 2023 में इस कंपनी को अच्छा मुनाफा हुआ। ▶10



चेहरा नहीं आत्मा होनी चाहिए सुंदर: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि गुरुओं का गुणगान करना चाहिए। ऐसा करने से गुरु के प्रति उत्सुकता पैदा होती है। कोई कपड़ों से सुंदर नहीं होता है।

इंसान अपने कर्मों से सुंदर होता है। चेहरे की लाख सुंदरता हो अगर मन और आत्मा मैला है तो सब बेकार है। लेकिन अगर मन और आत्मा सुंदर और पवित्र है तो चेहरा अपने आप ही सुंदर हो जाता है।

मनुष्य की कीमत उसके अच्छे मन और शुद्ध आत्मा से होती है। अच्छा चेहरा होने से किसी का महत्व नहीं बढ़ता है। महत्व कपड़ों, ऊंची हवेली की नहीं



होती है। गाय खरीदने वाला रंग की कदर नहीं बल्कि दूध की कदर करता है। रंग कैसा भी हो अगर दूध नहीं देगी तो कोई भी गाय नहीं खरीदेगा। गरीब शिखर पर भी बैठे तो कुछ नहीं लेकिन बड़ा आदमी नीचे भी बैठे तो

कीमती होता है। ऐसे ही गुरुओं का गुणगान चल रहा है। आश्चर्य श्री हस्तीमल के वर्तमान पड़धर आचार्य हीरा मुनि का आज दीक्षा दिवस है। आचार्य हीरा मुनि बचपन से ही बहुत ज्ञानी थे। उनकी भव्य आंखें और तेज चेहरा

था। उनका चेहरा हमेशा चमकता रहता था। उन्होंने अपने ज्ञान से कईयों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश जलाया था। उन्हें वैराग्य का बीज मिला और अपने जीवन को सफल कर लिया। गुरुओं का गुणगान सुनने के बाद जीवन में

उतारने का प्रयास करना चाहिए। गुरुओं ने किस प्रकार तपस्या करके जीवन को सफल बनाया है उसको जान कर जीवन को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए। अगर एक कान से सुन कर दूसरे कान से निकाल दिया तो कोई फायदा नहीं होगा। जीवन को सुंदर बनाना है तो गुणगान सुन कर आत्मा को पवित्र करना चाहिए। आज के प्रवचन में विशेष उपस्थिति मीठालाल जी गुणवंत राज जी गोलछा सपरिवार पधारे एवं महावीर चंद गोली चैन एक गितिका का प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मुथा ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने आभार व्यक्त किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

चादर महोत्सव में पधारने हेतु अक्कलकुवा संघ को विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेताम्बर खरतगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के 871 वर्ष पुराने अग्रिसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती का चादर महोत्सव 6 से 8 मार्च 2026 को स्वर्ण नगरी जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के जैसलमेर चादर महोत्सव के वृहत् आयोजन में पदार्पण की विनती लेकर चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य उपाध्यय प्रवर पूज्य मनिप्रभसागर जी की निश्रा में अक्कलकुवा संघ में पहुंचे। पूज्य उपाध्यय प्रवर ने इस अवसर पर कहा कि चादर महोत्सव प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी जैन व अजैन श्रद्धालुओं का संयुक्त आयोजन है। यह दादा गुरुदेव का ही प्रभाव है कि आज उनके देवलोक के 871 वर्ष पश्चात भी गुरुदेव जनमानस में समाहित है।



समिति के संयोजक तेजराज गु-लेच्छा ने अपने संदेश में कहा कि चादर महोत्सव को हम सभी गुरु भक्तों को उत्सव के रूप में मनाया है।

महोत्सव का उद्देश्य विश्व शांति के लिए प्रयास करना है। चादर समिति के सहमंत्री सुरेश लुनिया ने कहा कि इसमें देशभर में फैले करीब 30 हजार से अधिक भक्त खरतगच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरेश्वर जीकी निश्रा में आगामी 6 से 8 मार्च को जैसलमेर में महोत्सव में भाग लेने की सम्भावना है। समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा ने

बताया कि चादर महोत्सव के लिए पूरे देशभर में उत्साह का माहौल है और इसमें आने वाले श्रद्धालुओं को जैसलमेर में स्थित प्राचीन जैन ज्ञान भंडार, लोदवा पार्श्वनाथ तीर्थ, अमर सागर तीर्थ, ब्रह्मासर तीर्थ के दर्शन वंदन का लाभ भी मिल सकेगा। समिति के ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर गुरुदेव की निश्रा में अक्कलकुवा संघ के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। अक्कलकुवा संघ के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी चादर महोत्सव में पधारने की विनती की गई।

मारु सैन समाज ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एयरपोर्ट रोड स्थित मारु सैन समाज मयनहल्ली ट्रस्ट का तीसरा वार्षिक दीपावली का स्नेह मिलन समाज भवन में बड़े धूमधाम से मनाया गया। समारोह का शुभारंभ संत सेनजी महाराज की तस्वीर के समक्ष पूजा-अर्चना से हुआ।

संस्था के अध्यक्ष भंवरलाल पंवार ने दीपावली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि कृष्ण गौशाला के पुखराज महाराज का सम्मान किया गया। आम सभा में समाज बंधुओं ने समाज भवन निर्माण कार्य को लेकर चर्चा की। सचिव रमेश

गहलोत ने स्वागत करते हुए सभी को समाज भवन निर्माण के कार्यों के लिए सहयोग की अपील की। युवा मंडल के अध्यक्ष कैलाश पंवार ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दीपावली के शुभ अवसर पर कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन (संबद्ध अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन) द्वारा आयोजित भव्य दीपावली स्नेह मिलन समारोह बेंगलूरु में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन होटल अनंता (मेकेरी सर्किल, बेल्हारी रोड, देवा बैंक कॉलोनी, गंगानगर) में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि और सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान एवं गणेश वंदना से हुआ। दीपावली स्नेह मिलन का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी एकता, सद्भाव और सहयोग की भावना



को सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, बेंगलूरु शाखा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया। अध्यक्ष पंकज कुमार जालान, महासचिव स्नेह कुमार जाजू, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल मौजूद थे। शपथ ग्रहण

समारोह का संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुभाष अग्रवाल एवं बेंगलूरु जिला अध्यक्ष अरुण खेमका ने किया, जिन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के उत्थान और सेवा के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने का आह्वान किया। नवनिर्वाचित

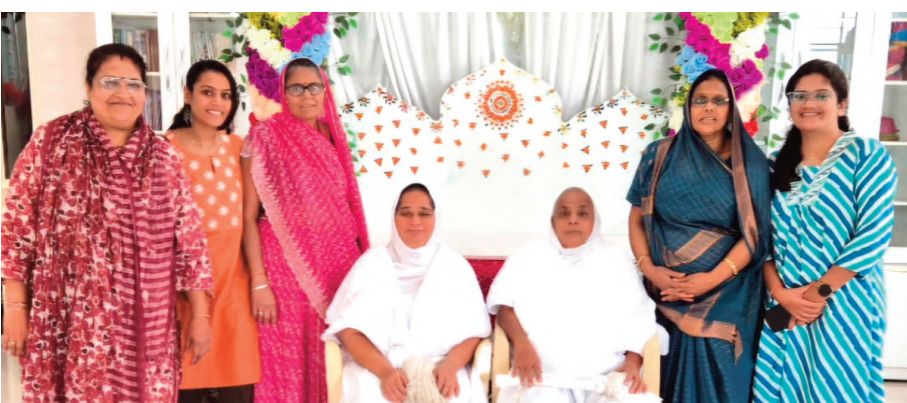
पदाधिकारियों का सम्मान पूर्व अध्यक्ष रमाकांत सराफ, कर्नाटक महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल एवं जिला कोषाध्यक्ष प्रिंस जैन ने किया। सर्वप्रथम प्रांतीय अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल,

अग्रवाल समाज अध्यक्ष सुभाष बंसल, गोडवाड़ भवन के महासचिव कुमारपालजी, सम्मेलन के जिला अध्यक्ष अरुण खेमका, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबडेवाल, साल-ासर हनुमान के निर्माणाधीन मंदिर के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, नानिवाचित जिला अध्यक्ष पंकज जालान, परिधि महिला शाखा अध्यक्षा माया अग्रवाल, प्रोफेशनल शाखा अध्यक्ष दीपक जैन ने सभा को सम्बोधित किया। कार्यक्रम के अंत में समाज के वरिष्ठजनों और अतिथियों का सम्मान किया गया। दीपावली की शुभकामनाओं के साथ पारंपरिक स्नेह भोज का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वॉलेट पार्किंग की विशेष व्यवस्था रखी गई थी।

पारसमणि, पुरुषादानीय पार्श्वनाथ धरती और अम्बर का वह पुण्यशाली नाम परमात्मा पार्श्वनाथ: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने भगवान पार्श्वनाथ की महिमा बताते हुए कहा कि पारसमणि, पुरुषादानीय पार्श्वनाथ धरती और अम्बर का वह पुण्यशाली नाम परमात्मा पार्श्वनाथ है, जिनके हजारों तीर्थ जन-जन के मानसिक कालुष्य को मिटाने का काम कर रहे हैं। पुरुषादानीय पार्श्वनाथ कभी चिन्तामणि बनकर अचिन्त्य फल प्रदान करते हैं तो कभी कल्पवृक्ष से भी अधिक कल्याणकारी सिद्ध होते हैं। कभी शंखेश्वर में मोहनिन्द्रा से बाहर आने का शंखनाद करते हैं तो कभी पारसमणि के रूप में सामान्य आत्मा को स्वर्णिम परमात्मा बनने का वरदान देते हैं। पार्श्वनाथ एक,



स्वरूप अनेक है। भारत का एक भी कोना ऐसा नहीं, जहाँ पार्श्वनाथ के मंत्र की गूंज सुनाई न दे। एक भी मंदिर ऐसा नहीं, जहाँ पार्श्वनाथ के दर्शन न हो। कहीं कृष्णवर्ण के विराजमान हैं तो कहीं नील या श्वेत वर्ण के विराजमान हैं। नागेश्वर में वे खड़े खड़े ही मुक्ति का वैभव बांट रहे हैं तो नाकोड़ा, जीरावला आदि

स्थानों पर बैठे-बैठे करुणा और कृपा का अमृत बरसा रहे हैं। कहीं सप्तफणा है तो कहीं शतफणा और सहस्रफणा है। कहीं चिन्तामणि है तो कहीं सोम चिन्तामणि और विजय चिन्तामणि। बिम्ब एक प्रतिबिम्ब अनेक। रूप एक प्रतिरूप अनेक। सागर एक लहरें अनेक। निश्चित ही पार्श्वनाथ की महिमा ही

अलौकिक है। पौष वदि दशमी को शंखेश्वर हो, नागेश्वर हो या नाकोड़ा, अंतरिक्ष, जिरावला सैंकड़ों तीर्थों पर सामूहिक अष्टम तप के हजारों तपस्वी नजर आते हैं तो लोगों का रेला-मेला परमात्मा के दर्शन को तरसता हुआ दृष्टि पथ में आता है। शंखेश्वर में हर पूज्य को हजारों भक्तजन आते हैं और श्रद्धा का

अर्थ अर्पण कर आनंद का अनुभव करते हैं। एक समय में पार्श्वनाथ के 108 तीर्थ भारतदेश में धर्म के धाम बने हुए थे, वह संख्या आज 1008 पार्श्वनाथ तक पहुँची है। इसमें पार्श्वनाथ के प्रति भक्तों की अपार भक्ति का ही आधार है। यह वह दर है, जहाँ लोग रोते-रोते आते हैं और हँसते-हँसते जाते हैं। यह तो वह दरबार है, जहाँ आता हर कोई है पर जाता कोई नहीं है। यह वह पावन स्मरण है, जिसे जपने से पाप, ताप, सन्ताप और अभिशाप स्वयमेव पलायन कर जाते हैं। इस सकल भूगण्डल में सम्भवतः ऐसे कोई भगवान नहीं, जो हजारों रूपों में पूजे जाते हो। इतने मंदिर, इतनी प्रतिमाएँ किसी भी भगवान की नहीं। सर्वाधिक स्तोत्र और ग्रन्थ प्रकाशन भी पार्श्वनाथ पर ही हुए हैं।

अग्रवाल दीपावली मिलन में मंडलीय रेलवे प्रबंधक मुदित मित्तल अग्रवाल रत्न सम्मान से अलंकृत

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल समाज मैसूरु के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन समारोह मनाया गया। गणेश व लक्ष्मी वंदन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर मैसूरु के मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल रहे। समाज की ओर से मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया। बाद में समाज बन्धुओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। गोपीराम सुरेका तथा कुमुद खेमका को मैसूरु रत्न सम्मान से नवाजा गया। समाज के प्रथम अध्यक्ष दिवंगत सेठ भागीरथ गुप्ता की स्मृति में सेठ भागीरथ प्रसाद गुप्ता सम्मान प्रारंभ करते हुए मनीष अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, रूपेश शर्मा तथा वेंकटेश शेड़ी तथा माधव मित्तल को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल ने सभी का स्वागत करते हुए अपने सम्बोधन में विभिन्न सेवा



कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और समानता के माध्यम से समाज को बेहतर बनाना है। एक सफल समाज वह है जहाँ हर नागरिक सम्मान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके। इसके लिए हमें अच्छी सामाजिक नीतियों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना होगा तथा

व्यक्तिगत तथा सामूहिक स्तर पर योगदान देना होगा। अध्यक्ष ने सदस्यों के सहयोग से उत्सवों तथा जनहित के किए गए सहयोगात्मक सेवा कार्यों की संपूर्ण जानकारी साझा की। संयोजिका दीपा जालुका और महिला मंडल की ओर से संचालित कार्यक्रम में बाल कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। आयोजन में बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

मुनि गणेशीलाल जी ने अपने जीवन में तप का मार्ग अपनाया: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-त्वधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में कर्नाटक गज केसरी गणेशीलाल जी की 146वें जन्म प्रसंग पर साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि मुनि गणेशीलाल जी ने अपने जीवन में तप का मार्ग अपनाया था और तप की ही सभी को प्रेरणा दी थी। तप से कर्म

कटते हैं और अनेक लब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। मुनि गणेशीलाल जी की सभी के प्रति हित भावना रहती थी और पोरशान जनों के दुख दर्द को वे तप मार्ग से साता पहुंचाते थे। गौ वंश, खादी के प्रबल प्रेरक वे स्वाभिमानी संत थे और उनमें स्वदेशी प्रेम भरा था। कर्नाटक की धरा पर उनका खूब विचरण हुआ।

यहां विचरण कर मुनि ने यहां



के प्रवासी समाज में धर्म संस्कारों को मजबूत किया। कर्नाटक की जनता ने गणेशीलाल जी के पराक्रम से प्रभावित हो कर उन्हें कर्नाटक गज केसरी का सम्मान दिया। बिलाड़ा के ललवानी परिवार में जन्मे गणेशीलाल जी ने बचपन से ही खूब परिश्रम सहन किए और अपने अंदर वैराग्य भाव जाग्रत कर संयम मार्ग अपनाया। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी

श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि अनंत काल से जीव की रुचि संसार में घर बनाने की रही है। परन्तु यहां किसी का स्थाई घर हो नहीं सका है। अब हमें अपने स्थाई घर के बारे में सोचना है जो मात्र निर्वाण से संभव है। हम मर्यादित जीवन जीएं और व्रत नियमों को ध्यास की तरह याद रखें। संसार में जीवन जीने की कला सीखें। यहां हम मात्र कर्तव्य

पालन की दृष्टि से कार्य करें और आसक्ति से मुक्त रहें। प्रवचन सभा में साध्वी श्री शशिप्रभा जी के संसार पक्षीय वीर परिवार के उमेश एवं सोनानी चौधरी का अलसूर संघ की ओर से उत्तमचंद गादिवा ने सम्मान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांढिया ने मुनि गणेशीलाल जी का संघ की ओर से स्मरण किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने आपदा राहत के लिए नागालैंड को 20 करोड़ रुपए जारी करने को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2025-26 के लिए नागालैंड को दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत सहायता प्रदान करने के लिए एसडीआरएफ में केंद्रीय हिस्से की दूसरी किस्त के रूप में 20 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि जारी करने की स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित राज्यों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रति पूरी तरह कटिबद्ध है। वर्ष



2025-26 में केंद्र सरकार पहले ही 15,554 करोड़ रुपए और एनडीआरएफ एसडीआरएफ के तहत 27 राज्यों को के तहत 15 राज्यों को 2,267.44

करोड़ रुपए जारी कर चुकी है। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 21 राज्यों को 4,571.30 करोड़ रुपए और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से 9 राज्यों को 372.09 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

केंद्र सरकार ने बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित सभी राज्यों को आवश्यक एनडीआरएफ टीमों, सेना और वायु सेना की तैनाती सहित सभी सहायता प्रदान की है। इस वर्ष मानसून के दौरान, बचाव और राहत कार्यों के लिए 30 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एनडीआरएफ की सर्वाधिक 199 टीमों की तैनाती की गई थी।

इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने एक बयान में कहा कि उन्होंने वर्ष 2025-26 के लिए कर्नाटक और महाराष्ट्र को एसडीआरएफ के केंद्रीय हिस्से की दूसरी किस्त के रूप में 1,950.80 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि जारी करने को मंजूरी दी।

बयान में कहा गया है, कुल 1,950.80 करोड़ रुपए में से कर्नाटक के लिए 384.40 करोड़ रुपए और महाराष्ट्र के लिए 1,566.40 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए, ताकि इन राज्यों को इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत सहायता प्रदान करने में मदद मिल सके।

मोदी कैबिनेट की 8वें वेतन आयोग को मंजूरी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को हरी झंडी मिल गई है। इसके द्वाारा षट्शषशीशपलश यानी कार्यक्षेत्र, नियम, अध्यक्ष और सदस्यों के नामों को भी मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले से करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारी और 69 लाख पेंशनभोगी, जिनमें रक्षा सेवाओं के कर्मी भी शामिल हैं, लाभान्वित होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होने की उम्मीद है। यह परंपरा हर दस साल में एक बार वेतन संरचना की समीक्षा करने की रही है। नए वेतन आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। खखच् बैंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव पंकज जैन को आयोग के सदस्य बनाया गया है। यह आयोग एक अस्थायी निकाय होगा और स्थापना की तारीख से 18 महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।जखरुत पड़ने पर आयोग अपनी अंतरिम रिपोर्ट भी सरकार को सौंप सकेगा ताकि वेतन या पेंशन से जुड़ी प्राथमिक सिफारिशों पर जल्द कार्रवाई की जा सके। केंद्रीय वेतन आयोग का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए वेतन, भत्तों और पेंशन ढांचे की समीक्षा करना है।

सड़कों के किनारे विकसित की गयी हैं 670 जन सुविधाएँ : गडकरी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जन-केंद्रित बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि इसे ध्यान में रखते हुए देश भर में सड़कों के किनारे 670 सुविधाएं विकसित की गयी हैं। श्री गडकरी ने मंगलवार को भारतीय उद्योग परिसंघ(सीआईआई) के स्मार्ट सड़कों का भविष्य-सुरक्षा, स्थिरता और अनुकूलन विषय पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा है कि देश में बुनियादी ढाँचा जन-केंद्रित होना चाहिए, जिससे नागरिकों के लिए आराम हो और सबके लिए सुविधा सुनिश्चित की जा सके। उनका कहना था कि इसे ध्यान में रखते हुए अब तक देश भर में सड़क के किनारे 670 सुविधाएँ विकसित की गयी हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय का वर्तमान वार्षिक

राजस्व 55,000 करोड़ रुपये से अगले दो वर्षों के भीतर बढ़कर 1.4 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। उनका कहना था कि मंत्रिमंडल में 2027 के लिए एक व्यापक बुनियादी ढाँचा योजना पर चर्चा की गयी, जिसमें सड़क निर्माण में 80 लाख टन पृथक प्लास्टिक कचरे का उपयोग और सड़क निर्माण के लिए शोधन संयंत्रों से उपचारित जल का पुनः उपयोग जैसी स्थायी पहल शामिल हैं।

श्री गडकरी ने कहा कि 25,000 किलोमीटर लंबे दो-लेन राजमार्गों को चार लेन में बदलने का काम चल रहा है, जबकि 2 लाख करोड़ रुपये का बंदरगाह संपर्क कार्यक्रम सभी प्रमुख बंदरगाहों को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि बेहतर सड़क संपर्क देश के कई हिस्सों में धार्मिक पर्यटन और साहसिक खेलों को बढ़ावा दे रहा है।

नए बिहार के निर्माण की दिशा में संकल्पित

पटना, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन ने मंगलवार को संयुक्त घोषणा पत्र जारी कर दिया। इस घोषणा पत्र का नाम बिहार का तेजस्वी प्रण रखा गया है। इस पत्र के जरिए महागठबंधन ने 25 मुख्य कार्यों के माध्यम से जहां बिहार बदलने की बात की, वहीं तरक्की का नया इतिहास लिखने का संकल्प भी लिया है। इस घोषणा पत्र में तेजस्वी यादव की माई बहिन मान योजना, हर घर सरकारी नौकरी, और 200 यूनिट मुफ्त बिजली के साथ नए वादे भी शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय



जनता दल (राजद) और कांग्रेस समेत अन्य दलों के नेताओं ने मिलकर इस घोषणा पत्र को जारी किया। महागठबंधन के सीएम फेस की घोषणा के बाद जारी इस साझा चुनावी घोषणा पत्र में अलग-अलग खंड बनाए गए हैं। रोजगार और युवा खंड के जरिए नौकरी के वादे किए गए हैं, वहीं दिव्यांग वर्ग के लिए भी योजना-1ओं का वादा किया गया है। पत्र

में शिक्षा सुधार, जन स्वास्थ्य और चिकित्सा सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और वंचित समुदाय के लिए भी कई घोषणाएं की गई हैं। इसके अलावा पत्र में कृषि, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा मजदूर वर्ग के लिए भी वादे किए गए हैं, और गरीबों के लिए भी कई योजनाओं की शुरुआत करने का दावा

किया गया है।

तेजस्वी यादव ने घोषणा पत्र जारी करते हुए दावा किया कि हम झूठे, टूटे-फूटे वादे नहीं करते हैं। जो कहते हैं, वो करते हैं; जो कह रहे हैं, वो करेंगे। कुछ दिनों में हम बताते जा रहे हैं कि कैसे नौकरियां मिलेंगी।

उन्होंने आगे कहा, 2020 में वही लोग बोलते थे कि कैसे होगा और क्या होगा। जिस

सरकार ने अग्निवीरों के साथ किया धोखा : कांग्रेस

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने सरकार पर अग्निवीरों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि पहले सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था लेकिन अब गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर बताया है कि रिटायर अग्निवीरों को देश की टॉप दस प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसियों में रखा जाएगा।

कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में अधिसूचना को अग्निवीरों के साथ धोखा बताया और कहा कि यह योजना देश की सुरक्षा और युवाओं के लिए घातक है इसलिए इस योजना को खत्म किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार हमारे



जवानों के साथ सही नहीं कर रही है। ये साफ तौर पर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से पहले ही 'जय जवान अभियान' चलाया था और अब 'जय जवान अभियान' का दूसरा भाग चल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार कह रहे हैं कि देश को कम प्रशिक्षित सैनिक दिए जा रहे हैं और मोदी सरकार सैनिकों की पेंशन काटकर अपने पूंजीपति मित्रों की तिजोरी भर रही है।

कर्नल चौधरी ने कहा हम सभी

वाले अग्निवीरों को देश की टॉप 10 प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में रखा जाएगा।

उन्होंने तंज करते हुए सवाल किया कि मोदी सरकार ने सिर्फ 25 प्रतिशत अग्निवीरों को स्थायी किया है तो बाकी वापस लौटकर क्या भाजपा दफ्तर या किसी कंपनी के बाहर दरबान की नौकरी करेंगे। क्या अग्निवीर अब अडानी डिफेंस के अंदर जाएंगे और वहां जाकर एक प्राइवेट आर्मी की तरह काम करेंगे। सरकार अधिसूचना जारी कर कहती है कि अग्निवीरों को सिक्योरिटी एजेंसियों में शामिल करें। कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख ने कहा मोदी सरकार से हमारा सवाल है कि जब अग्निवीरों को पेंशन वाली नौकरी और केंद्र, राज्य की नौकरियों में शामिल करने का वादा किया गया था तो आज उन्हें प्राइवेट

सिक्योरिटी एजेंसी में क्यों भेजा जा रहा है। आने वाले साल में लौटने वाले अग्निवीरों को पेंशन वाली नौकरी कब और कहां दी जाएगी। हम अग्निवीरों को प्राइवेट आर्मी बनाकर देश-विदेश के युद्ध में झोंकने नहीं दे सकते। हमारा 'जय जवान अभियान' जारी है और हम सैनिकों के हित में सवाल पूछते रहेंगे

उन्होंने कहा कि जब किसानों के लिए तीन काले कानून लागू गए थे तब उससे पहले अडानी ने पूरे देश में जमीन खरीद ली थी। इसी तरह अडानी डिफेंस 2015 में आई, जिसके बाद 2020-22 तक सेना में भर्तियां नहीं हुईं। अडानी ने धीरे-धीरे डिफेंस में भी अपना कारोबार बढ़ा लिया। अब इसी कड़ी में अडानी को चार साल के ट्रेंड अग्निवीर सौंपे जाएंगे, जिसे हमें मिलकर रोकना है।

फैयाज मंसूरी के जेहादी बयान पर सुप्रीम कोर्ट तलख

आपराधिक मामला रद्द करने से किया इनकार

नई दिल्ली/लखीमपुर खीरी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद को लेकर सोशल मीडिया पर जेहादी बयान पोस्ट करने वाले फैयाज मंसूरी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। याचिकाकर्ता फैयाज मंसूरी के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से आपराधिक केस रद्द किए जाने की दरखास्त की थी।

फैयाज मंसूरी ने कहा था कि बाबरी मस्जिद एक दिन तुर्की की सोफिया मस्जिद की तरह फिर से बनाई जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने इस मामले की



सुनवाई की। जस्टिस सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता की दलील से असहमति जताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की पोस्ट और उसके बयान की जांच की है। सुप्रीम कोर्ट आपराधिक मामला रद्द करने से इन्कार करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए सभी तर्कों पर टायल कोर्ट द्वारा उनके गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा। लखीमपुर खीरी के रहने वाले फैयाज मंसूरी के खिलाफ 6 अगस्त 2020 को भारतीय दंड

संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए, 292, 505 (2), 506, 509 और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 (आईटी एक्ट) की धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद लखीमपुर खीरी के जिलाधिकारी ने फैयाज के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 (एनएसए) के तहत निरोध आदेश पारित किया था, जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। इसके बाद फैयाज मंसूरी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी। इसके बाद ही मंसूरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी।

राष्ट्रपति मुर्मू आज राफेल लड़ाकू विमान में अंबाला से भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को भारतीय वायु सेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरेंगी। राष्ट्रपति इससे पहले वायु सेना के सुखेवाई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में भी उड़ान भर चुकी हैं।

राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि श्रीमती मुर्मू बुधवार को हरियाणा जायेंगी और वहां अंबाला वायु सेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरेंगी।

श्रीमती मुर्मू ने दो वर्ष पहले 8 अप्रैल 2023 को वायु सेना के तेजपुर हवाई बेस से सुखेवाई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी।



राफेल भारतीय वायु सेना का प्रमुख लड़ाकू विमान है और इसने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति के सुबह अंबाला वायु सेना स्टेशन पहुंचने पर उन्हें सम्मान स्वरूप गार्ड आफ ऑनर दिया जायेगा। राष्ट्रपति को राफेल विमान के बारे में भी जानकारी दी जायेगी। इसके बाद वह विमान में उड़ान भरेंगी। उनके वायु सैनिकों को संबोधित किये जाने की भी संभावना है।

फैक्ट्री में बच्चों से बर्बरता से कराया जा रहा था काम

दुष्ट फैक्ट्री मालिक से छुप कर भागे सात बच्चे बरामद

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जयपुर के भट्टा बस्ती इलाके से मानवता को शर्मसार कर देने वाला सामने आया है। इंसान के जुल्मों से तंग आकर बिहार के सात बच्चे डरे-सहमे एक कब्रिस्तान में छिपे हुए मिले। बच्चों ने पुलिस को बताया कि उन्हें भूतों से नहीं, बल्कि इंसानों से डर लगता है। शमशाद मियां जो झूठ बोलकर दो महीने पहले बिहार के सात बच्चों को घुमाने के बहाने जयपुर लाया था। उसकी तलाश जारी है। सोशल मीडिया पर यह खबर वायरल हो गई है। यूजर्स ने बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार करने वाले दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

शमशाद मियां नाम का एक शख्स इन बच्चों को घुमाने के बहाने बिहार के एक गांव से जयपुर लाया और भट्टा बस्ती क्षेत्र स्थित चूड़ी फैक्ट्री में काम पर लगा दिया। इस दौरान बच्चों के साथ

अमानवीय व्यवहार किया जाता था। उनसे 18 से 20 घंटे तक काम करवाया जाता। उन्हें दिन में सिर्फ एक बार खाना दिया जाता और अगर वे बीमार पड़ जाते थे तो उनकी बेरहमी से पिटाई की जाती थी। भूख और डर से बेहाल बच्चे बीमार पड़ने लगे। आखिरकार दिवाली की रात (20 अक्टूबर) वे सभी हिम्मत करके फैक्ट्री से भाग निकले, लेकिन भट्टा बस्ती की तंग गलियों में खो गए और इंसानों के जुल्मों से तंग आकर कब्रिस्तान में पहुंच गए, जहां उन्होंने कब्रों के पीछे छिपकर पूरी रात बिताई। जब स्थानीय लोगों ने बच्चों को कब्रिस्तान में देखा तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर भट्टा बस्ती पुलिस और बाल कल्याण समिति की एक टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस की शुरुआती जांच में फैक्ट्री



में अन्य राज्यों से भी बच्चों को धोखे से लाकर मजदूरी कराई जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि बच्चों को बाल सुधार समिति के समक्ष पेश कर बाल सुधार गृह भेजा गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि भट्टा बस्ती पुलिस और चाइल्ड वेलफेयर टीम ने बच्चों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बच्चों को खाना, नए कपड़े और मेडिकल सहायता दी गई। बच्चे इतने डरे-सहमे थे कि इंसानों से बात करने से भी डर रहे थे। बच्चों ने पुलिस को बताया कि उन्हें भूतों से नहीं, इंसानों से डर लगता

है।

जिस उम्र में बच्चों को खेलना और पढ़ना चाहिए, उस उम्र में इन मासूमों से जयपुर की चूड़ी फैक्ट्री में मुश्किल हालात दिन में 18 से 20 घंटे काम करवाया जाता था और बदले में उनके साथ जानवरों जैसा बर्ताव किया जाता था। कई बार उन्हें पूरा दिन खाने को भी नहीं दिया जाता था। बीमार होने पर उन्हें पीटा जाता था। जांच में सामने आया है कि इन बच्चों को चूड़ी बनाने के कारखाने में कैद रखा जाता था। बीते दो-तीन महीने से उन्हें कैद करके रखा गया था और बाहर तक नहीं निकलने दिया जा रहा था। बच्चों को जब यह कैद असहनीय हो गई, तो उन्होंने भागने का फैसला किया। पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर को दीपावली वाले दिन बच्चे मौका मिलते ही वहां से भाग निकले। रास्ता भटकने के बाद डर के मारे सभी बच्चे भट्टा बस्ती इलाके के एक

कब्रिस्तान में जाकर छिप गए। भट्टा बस्ती थानाधिकारी दीपक त्यागी ने मीडिया को बताया, हमें 20 अक्टूबर को सुबह 8-9 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी। जब हम कब्रिस्तान पहुंचे, तो बच्चे बुरी हालत में मिले। शुरु में बच्चे काफी डरे हुए थे और बात करने को तैयार नहीं थे। कुछ देर बाद बच्चों ने बताया कि उन्हें शमशाद मियां नाम का व्यक्ति गांव से लाया था, जिसने यहां कैद कर चूड़ी बनाने का काम करवाया और रोज मारपीट करता था।

दीपक त्यागी ने पुष्टि की कि आरोपी शमशाद मियां के खिलाफ तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस की टीम जब उसके घर दबिश देने पहुंची, तो आरोपी वहां ताला लगाकर मौके से फरार हो चुका था। पुलिस को संदेह है कि आरोपी के कारखाने में और भी कई बाल मजदूर हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस की टीम फरार आरोपी की तलाश में जुटी हैं।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वां शहीदी पर्व पर बोले सीएम योगी

सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय



लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य के समान पवित्र हो जाता है। योगी ने कहा, भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं उत्कृष्ट है।

मुख्यमंत्री ने कहा, गुरुबाणी में लिखा है कि जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य के समान पवित्र हो जाता है। यह हमारा सौभाग्य है कि गुरु चरण यात्रा के दौरान हमें गुरु महाराज और गुरु साहिबान के पावन चरणों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। इस अवसर पर मैं केंद्रीय मंत्री

हरदीप सिंह पुरी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने हमें गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया। गुरु चरण यात्रा के माध्यम से इस पावन अवसर से जुड़ने का सौभाग्य भी हमें प्राप्त हुआ है। भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं सराहनीय है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज के पावन चरण पाटुकार, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यहियागंज गुरुद्वारा इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस स्थान से जुड़ी हैं। यह गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी ने सिख समुदाय के प्रति आदर व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का

आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज की यह यात्रा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस गुरु चरण यात्रा को राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक जागरण के संदेश के रूप में आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यूपी कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परबिंदर सिंह के अलावा गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी व कई जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

काशी के घाट पर संगीत, नृत्य और लोक कलाओं का सजेगा मंच

एक से चार नवंबर तक होगा काशी गंगा महोत्सव

वाराणसी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देव दीपावली से पहले काशी के घाटों पर संगीत, नृत्य व लोक कलाओं की संगीतमय सरिता बहेगी। मां जान्हवी के पावन तट पर इस वर्ष गंगा महोत्सव का आयोजन 1 से 4 नवम्बर तक किया जाएगा। योगी सरकार के प्रयास से राजघाट पर देशभर के नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुति देकर काशी की इस सांस्कृतिक परंपरा को और भव्य बनाएंगे जिनमें शास्त्रीय, भक्ति तथा लोक संगीत का अद्भुत संगम दिखाई देगा। इस महोत्सव में गायक हंसराज रघुवंशी अपने भजनों से श्रोताओं को भक्ति रस से ओत-प्रोत करेंगे। वहीं, पद्मश्री मालिनी अवस्थी अपने लोक गायन से उत्तर भारत की लोक परंपराओं को सजीव करेंगी। इसके अतिरिक्त, 2 नवंबर को पद्मश्री गीता चंद्रन भरतनाट्यम की प्रस्तुति देंगी। गंगा महोत्सव के अंतर्गत होने वाली प्रस्तुतियां शाम 4 बजे से शुरू होंगी।



विशेष रूप से गायक हंसराज रघुवंशी आयोजन के अंतिम दिन अपने भजनों से श्रद्धा और भक्ति का भाव जगाएंगे। वहीं, पद्मश्री मालिनी अवस्थी 3 नवंबर को लोक गायन से काशी की धरती पर उत्तर भारत की लोक परंपराओं को सजीव करेंगी। इसके अतिरिक्त, 2 नवंबर को पद्मश्री गीता चंद्रन भरतनाट्यम की प्रस्तुति देंगी। गंगा महोत्सव के अंतर्गत होने वाली प्रस्तुतियां शाम 4 बजे से शुरू होंगी।

एक नवंबर को पं. माता प्रसाद मिश्र एवं पं. रविशंकर मिश्र कथक युगल नृत्य, कविता मोहंती ओडिसी नृत्य, विदुषी श्वेता दुबे गायन, विदुषी कमला शंकर स्लाइड गिटार, डॉ. रिपि मिश्र शास्त्रीय गायन, डॉ. दिवाकर कश्यप एवं डॉ. प्रभाकर कश्यप उपशास्त्रीय गायन, रवि शर्मा एवं समूह ब्रज लोक नृत्य एवं संगीत और पं नवल किशोर मल्लिक शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगे। दो नवंबर को शिवानी शुक्ला गायन, प्रवीण उद्भव तालयात्रा, राजकुमार तिवारी को मिलेगी। महोत्सव में

अर्चना आदित्य महास्कर गायन, सवीर, साकार कलाकृति पारम्परिक लोक नृत्य, वंदना मिश्रा गायन, पं. साहित्य नाहर एवं पं. संतोष नाहर सितार एवं वायलिन जुगलबंदी, ओम प्रकाश भजन गायन और पद्मश्री गीता चन्द्रन भरतनाट्यम प्रस्तुत करेंगी। तीन नवंबर को मीना मिश्रा गायन, विशाल कृष्ण कथक नृत्य, दिव्या शर्मा हिंदुस्तानी खयाल गायकी, राकेश कुमार जनजातीय लोक नृत्य, इंदु गुप्ता लोक गायन, चेतन जोशी बांसुरी वादन, विदुषी कविता द्विवेदी ओडिसी नृत्य और पद्मश्री मालिनी अवस्थी लोक गायन प्रस्तुत करेंगी। चार नवंबर को डॉ. शुभांकर डे गायन, डॉ. प्रेम किशोर मिश्र एवं साथी-सितार, सरोद जुगलबंदी एवं गायन, राहुल रोहित मिश्र शास्त्रीय गायन, रूपन सरकार सामंत शास्त्रीय गायन, वासुमती बद्रीनाथन शास्त्रीय गायन, शिवानी मिश्रा कथक समूह नृत्य, मानसी रघुवंशी गायन और हंसराज रघुवंशी भजन गायन प्रस्तुत करेंगे।

यूपी के पंचायत चुनावों में एसआईआर का पड़ेगा असर

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो रही है। एसआईआर होने का असर प्रदेश के पंचायत चुनावों पर भी पड़ेगा। अभी तक अप्रैल-मई 2026 में चुनाव प्रस्तावित हैं। लोकसभा-विधानसभा और पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूचियां अलग-अलग हैं। जबकि, इन सूचियों को अपडेट करने की जिम्मेदारी उठाने वाले निचले स्तर के कर्मचारी कॉमन हैं। इसलिए दिक्कतें आना तय माना जा रहा है।

यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने हैं। इन दिनों पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूचियों को अपडेट करने का काम चल रहा है। एक जनवरी 2025 के आधार पर मतदाता सूची दुरुस्त करने के लिए सर्वे का काम पूरा हो चुका है। अब सभी एसडीएम डाटा चेकिंग के बाद इसे ऑनलाइन फीड करवाने का काम करेंगे। मतदाता सूची का मसौदा (अंतिम सूची) 5 दिसंबर को प्रकाशित होगा। जबकि, फाइनल सूची 15 जनवरी 2026 को प्रकाशित करने की घोषणा की गई है।

इसके बाद पंचायत चुनाव की मतदाता

सूचियों में उन युवा मतदाताओं को शामिल करने का अभियान भी चलेगा, जो एक जनवरी 2026 को 18 साल के हो जाएंगे। इसी बीच 28 अक्टूबर से 7 फरवरी के बीच एसआईआर का काम पूरा करना होगा। जानकारों का कहना है कि दोनों ही तरह की मतदाता सूचियों के लिए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) कॉमन हैं, इसलिए काम का भार कम करने के तरीके भी निकालने होंगे। इसके लिए यह भी हो सकता है कि स्थानीय प्रशासन कुछ और बीएलओ देकर जिम्मेदारियों को बांट दें।

पंचायतीराज विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पंचायतीराज अधिनियम के अनुसार, ये चुनाव पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने के छह माह पहले या बाद तक कराए जा सकते हैं। इसलिए छह माह से ज्यादा चुनाव टालने पर केंद्र सरकार से मिलने वाली सहायता रुक जाएगी। फिर यूपी में वर्ष 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव को देखते हुए भी पंचायत चुनावों को टालना मुमकिन नहीं होगा। इसलिए इन सब स्थितियों के बीच ही समाधान ढूँढ़ने होंगे।

कन्नौज में एनकाउंटर के बाद लव जेहादी गिरफ्तार

हिंदू युवती को भगा ले गया था इमरान

कन्नौज, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कन्नौज में मंगलवार 28 अक्टूबर को तड़के हिंदू किशोरी को भगाने के आरोपी इमरान की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली उसके पैर में लगी। जखमी हालत में उसे गिरफ्तार किया गया। फिलहाल उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इमरान न सिर्फ एक हिंदू युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया था, बल्कि एक मुस्लिम युवती की मदद से अन्य हिंदू लड़कियों को भी फंसाता था। बताया जा रहा है कि मुस्लिम युवती ही हिंदू युवतियों का संपर्क इमरान से कराती थी। घटना का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने बीते 4 अक्टूबर को लापता हुई छात्रा को बरामद किया और इमरान द्वारा उसके हिजाब पहने फोटो को इंस्टाग्राम पर हैप्पी एनिवर्सरी कैप्शन के साथ पोस्ट करने की जानकारी मिली।

सुरक्षा को लेकर अयोध्या में रहेंगी कई पाबंदियां

अयोध्या, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में 25 नवंबर को भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री रॉडर मोदी ध्वजारोहण करने वाले हैं। इसकी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को बैठक से पहले तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

उन्होंने बताया कि 25 नवंबर को आम श्रद्धालु रामलला के दर्शन नहीं कर सकेंगे। मंदिर के शिखर पर फहराया जाने वाला ध्वज न केवल आस्था का प्रतीक



होगा, बल्कि श्रीराम जन्मभूमि निर्माण की पूर्णता का संदेश भी देगा। ट्रस्ट के लिए यह आयोजन तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है। इसलिए सेना के सहयोग से इसकी तैयारियों की जा रही है। करीब 11 किलो वजन की ध्वज को शिखर पर फहराने का ट्रायल सेना ने शुरू कर दिया है। ध्वज की लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट होगी। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर परिसर में

ध्वजारोहण का रिहर्सल पूरा करके रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी है। इसे बिना किसी परिवर्तन के लागू किया जाएगा। क्योंकि, इस ऐतिहासिक क्षण पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी होंगी।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि ध्वज के कपड़े को लेकर भी विशेष ध्यान दिया गया है। संभावना है कि इसे पैराशूट फैब्रिक से तैयार किया जाएगा। ताकि, ऊंचाई पर भी यह मजबूती से लहराता रहे।

इस पर कोबेदार वृक्ष और भगवान सूर्य का प्रतीक अंकित होगा, जो दिव्यता और ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता यही है कि श्रद्धालु मंदिर निर्माण कार्य को देख सकें। दर्शन व्यवस्था सुचारू रहे। ध्वजारोहण के दिन करीब आठ हजार श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। इस दिन परकोटा और सप्त मंदिरों में दर्शन नहीं होंगे, लेकिन अगले दिन से आम श्रद्धालुओं के लिए श्रीराम जन्मभूमि के सभी मंदिर दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे। मंदिर परिसर में रेलिंग और म्यूल लगाने का काम अंतिम चरण में है। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि अब कोई नया निर्माण कार्य नहीं होगा। केवल, अंतिम रूप देने और सुंदरीकरण की प्रक्रिया जारी है।

आसमान में नई ऊंचाइयां छू रहा उत्तर प्रदेश

हवाई यात्रा और कार्गो ट्रैफिक में रिकॉर्ड वृद्धि

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब न केवल सड़क पर, बल्कि आसमान में भी विकास की उड़ान भर रहा है। राज्य की हवाई कनेक्टिविटी और यात्री संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे प्रदेश अब भारत की हवाई ग्रोथ स्टोरी में एक अहम किरदार बन गया है। अप्रैल से अगस्त 2025 की अवधि में उत्तर प्रदेश के हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 14.6 प्रतिशत बढ़कर 60.02 लाख हो गई है।

वहीं इस अवधि में भारत के कुल हवाई यातायात में राज्य की हिस्सेदारी 3.52 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2024 की तुलना में 34 बेसिस पॉइंट्स अधिक है। इससे साफ है कि अब देश के हर 30 में से एक हवाई यात्री उत्तर प्रदेश से यात्रा कर रहा है। राज्य में हवाई यात्रियों की बढ़ती संख्या केवल

आंकड़ों की बात नहीं, बल्कि उस दूरदर्शी सोच का परिणाम है जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कनेक्टेड यूपी, समृद्ध यूपी विजन के तहत पेश की थी। उनका लक्ष्य रहा है कि हर क्षेत्र, हर जिला आधुनिक परिवहन से जुड़े ताकि पर्यटन, व्यापार और रोजगार में नई गति आए। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ इस रफ्तार में और भी वृद्धि होगी और सिर्फ यूपी ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों को भी कनेक्टिविटी के नए अवसर प्राप्त होंगे।

साल 2016-17 में जहां उत्तर प्रदेश के हवाई अड्डों से 59.97 लाख यात्री यात्रा करते थे, वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 142.28 लाख तक पहुंच गई। इनमें 129.29 लाख घरेलू और 12.99 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल रहे। इस दौरान राज्य का कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट 10.1 प्रतिशत रहा, जो एविएशन सेक्टर में तेजी से बढ़ती मांग को दर्शाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान वित्त वर्ष 2020-21 में यात्री संख्या 48.35 लाख तक गिर गई थी, लेकिन यूपी ने सबसे तेज रिकवरी



दिखाई। महज दो वर्षों में यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई, जो राज्य की मजबूत हवाई नीति और बेहतर प्रबंधन का प्रमाण है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 में हवाई यात्रियों की संख्या में 25.9 प्रतिशत का ग्रोथ दर्ज किया गया है, जबकि 2023-24 और 2024-25 में अप्रैल-अगस्त माह के बीच कंपैरिजन करें तो यह ग्रोथ 14.6 प्रतिशत रही। इस दौरान डॉमेस्टिक एयर पैसेंजर्स में 15.7 प्रतिशत और इंटरनेशनल पैसेंजर्स की संख्या में 4.3 प्रतिशत ग्रोथ दर्ज की गई। राज्य के कई शहरों ने इस ग्रोथ में

अहम योगदान दिया है। 2023-24 से 2024-25 के बीच वाराणसी में 34.4 प्रतिशत, प्रयागराज में 76.4 प्रतिशत, गोरखपुर में 27.6 प्रतिशत और कानपुर में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि धार्मिक पर्यटन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी ने यात्री संख्या को तेजी से बढ़ाया है। खासतौर पर अयोध्या एयरपोर्ट, जिसे मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि के नाम पर समर्पित किया था, अब उत्तर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते टर्मिनल्स में शामिल है। 2023-24 में जहां 2 लाख से ज्यादा यात्रियों ने यहां से हवाई उड़ान भरी थी तो वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 11 लाख से अधिक पहुंच गया। वहीं प्रयागराज और वाराणसी से भी धार्मिक और व्यावसायिक उड़ानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रयागराज में 2023-24 में 6 लाख से अधिक एयर पैसेंजर्स ने यात्रा की तो वहीं 2024-25 में यह संख्या 10.77 लाख से अधिक पहुंच गई। इसी तरह वाराणसी में 2023-24 में करीब 30 लाख एयर पैसेंजर्स यात्रा कर रहे थे तो वहीं 2024-25 यह

संख्या 40 लाख का आंकड़ा पार कर गई। गोरखपुर में 2023-24 में 6.8 लाख की तुलना में 2024-25 में 8.67 लाख से अधिक हवाई यात्रियों ने सफर किया। लखनऊ ने भी अपनी रफ्तार में इजाफा किया है, जहां 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश अब व्यापार और निर्यात के लिए भी एयर कनेक्टिविटी का बड़ा केंद्र बन रहा है। 2016-17 से 2024-25 तक राज्य के एयर कार्गो में 19.1 प्रतिशत का विकास दर्ज किया गया है। यह 5.89 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर 28.36 हजार मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो कि अब तक का सर्वाधिक है। ऋद्ध 2024-25 में लखनऊ एयरपोर्ट ने 22,099 मीट्रिक टन कार्गो हैंडल किया, जबकि वाराणसी में 27.7 प्रतिशत और प्रयागराज में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। 2023-24 से 2024-25 के बीच टोटल ग्रोथ 9.4 प्रतिशत रही और इस दौरान एयर कार्गो 25,915 मीट्रिक टन से 28,356 मीट्रिक टन पहुंच गया। अप्रैल-अगस्त 2025 में कानपुर (165 प्रतिशत) और

आगरा (247 प्रतिशत) में रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज हुई जो बताता है कि राज्य के इंडस्ट्रियल क्लस्टर अब अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जुड़ रहे हैं। अप्रैल-अगस्त 2025 में राज्य का भारत के कुल एयर कार्गो में हिस्सा 0.79 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1 बेसिस पॉइंट अधिक है। उत्तर प्रदेश सिविल एविएशन के डायरेक्टर ईशान प्रताप सिंह ने बताया कि हवाई कनेक्टिविटी सिर्फ परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि रोजगार, पर्यटन और निवेश की नई शक्ति है। जब हर जिले से उड़ान संभव होगी, तो हर नागरिक का जीवन स्तर ऊंचा होगा। इसी सोच के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में अयोध्या, कुशीनगर और जेवर (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) जैसे नए हवाई अड्डों का तेजी से विकास किया गया है। जेवर एयरपोर्ट के शुरू होते ही उत्तर प्रदेश उत्तरी भारत का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की ओर अग्रसर होगा। इसी क्रम में प्रदेश सरकार कई नए एयर कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रही है।

बच्चों पर न बढ़ाएं पढ़ाई का दबाव



बच्चों से प्यार से कुछ भी करवाया जा सकता है, लेकिन जोर जबरदस्ती से कुछ भी काम करना संभव नहीं। आपको हमेशा अपने बच्चे से शिकायत रहती होगी कि आप का बच्चा आपका कहना नहीं मानता, कोई काम नहीं करता, जिंदी है आदि। बच्चों पर पढ़ाई का दबाव डालकर आप जबरदस्ती उन्हें पढ़ा तो सकते हैं पर दबाव डालने से बच्चों पर कई बार बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप प्यार से बच्चों को समझाएं तो बिना किसी आनाकानी से वे पढ़ाई पर ध्यान देने लगेंगे। यदि बच्चों को बार-बार पढ़ने के लिए दबाव बनाया जाता है तो वे पढ़ाई से दूर भागने लगते हैं और उनको वो चीज बोरिंग लगने लगती है। पढ़ाई का दबाव बनाने की बजाए आपको अपने बच्चे को अपने साथ बैठकर खेल-खेल में मनोरंजक तरीके से बच्चे को पढ़ाना चाहिए इससे बच्चा भी पढ़ने में रूचि लेगा और आपकी बात भी मानेगा। बच्चों की बढ़ती उम्र और पढ़ाई के दबाव के कारण कई बार बच्चे ऐसे निर्णय कर लेते हैं जो न सिर्फ उनके लिए घातक हो सकते हैं बल्कि उनके अपने परिवार के लिए भी खतरनाक बन जाते हैं। बच्चों को कुछ भी याद करवाने के लिए जरूरी है कि उन्हें हल्के-फुल्के अंदाज में बच्चे के साथ बैठकर याद करवाया जाए और बच्चों को चेटर रटवाने के बजाय समझाएं। बच्चों को पढ़ाते समय कोशिश करें कि हर चीज का उदाहरण दें, जिससे बच्चा जल्दी से जल्दी समझ जाए। यदि बच्चों को पढ़ने में मुश्किल आ रही हो तो बच्चों को उस बात को दूसरे ढंग से या फिर आसान भाषा में समझाएं। बच्चों को जब भी आप याद करवाएं तो उनकी चीज का मतलब बताएं।

डरावने मेकअप का शौक...



महिलाएं अक्सर सुंदर दिखने के लिए मेकअप का सहारा लेती हैं लेकिन एक लड़की के तो शौक ही बड़े निराले हैं। वह तो अपना चेहरा बिगाड़ने के लिए मेकअप करती है। दरअसल, 24 साल की जॉर्डन हैस को डरावना मेकअप करने का शौक बढ़ा है, जिसके चलते वे तरह-तरह के भूतहा किरदारों की शवल अखियायार करने लेती हैं। उन्होंने अपनी अमोखी कलाकारी से लोगों को अपना दीवाना बना लिया है। जॉर्डन को मेकअप के जरिये ऐसे रूप धरने में कम से कम 5 घंटे लग जाते हैं लेकिन कहते हैं न कि शौक बड़ी चीज है। इसके लिए वह एप्रिलिक पेंट का यूज करती हैं। ट्रांसफॉर्मेशन के लिए जॉर्डन किरदारों का चयन मूवीज के साथ-साथ वीडियो गेम्स से भी करती हैं। जॉर्डन के इंस्टाग्राम पर 20 हजार से अधिक फॉलोअर हैं। जॉर्डन केरक्टर ट्रांसफॉर्मेशन के इन शोशंस को ट्यूटोरियल के तौर पर यू-ट्यूब पर भी शेयर करती हैं।

शादी में क्रॉप टॉप लहंगा...



इन दिनों महिलाएं इंडो-वेस्टर्न ड्रेस में ज्यादा दिखाई देती हैं। धोती के साथ शर्ट, स्कर्ट के साथ ब्लाउज और भी कई तरीके के कॉम्बीनेशन इन दिनों मार्केट में उतरे हैं। लहंगे के साथ कोल्हापुरी तक को अगर आप पहनें तो देहातीपन नहीं बल्कि ट्रेंड नजर आएगा। उत्साह और उमंगों से भरा, शादियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में वैडिंग आउटफिट के लिए बटुई पर लंबी लाइन लगी रहती है। हल्दी के दिन पीला और लाल लहंगा, बहुत खूबसूरत दिखता है। स्लीवलेस पिक क्रॉप टॉप के साथ येलो कलर की फूलों वाली स्कर्ट भी खूब फवेगी। इसके अलावा, आप फिरोजी रंग की ड्रेस भी पहन सकती हैं। इन दिनों डीप ब्लू रंग की स्कर्ट के साथ स्लीव वाले ब्लाउज भी काफी ट्रेंड में है।

सर्दी में गरमा-गरम गराडू का लें मजा



सर्दी का मौसम शुरू होते ही गरमा-गरम गराडू का मजा दुगुना हो जाता है। लेकिन यह स्वाद में जितना अच्छा और कुरकुरा है, उतने ही बेहतरीन हैं इसके फायदे। अगर आपको अब तक नहीं पता गराडू के यह फायदे, तो जरूर जानिए....इसके बाद गराडू का लुफ्फ भी दुगुना हो जाएगा।
 ■ गर्मागर्म गराडू, सर्दी की शाम में खाने से आपको न केवल लाजवाब स्वाद मिलता है बल्कि यह आपको गर्माहट के साथ-साथ शरीर के लिए आवश्यक ऊर्जा भी देता है।
 ■ यह फाइबर यानि रेशे से भरपूर होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। खस तौर से यह बुरे कोलेस्ट्रॉल को हटाने में मदद करता है। इसके अलावा फाइबर आपके पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाता है और कब्ज में फायदेमंद होता है।
 ■ गराडू, कॉपर, आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम, मैंगनीज, फॉस्फोरस के अलावा कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है जो आपके स्वास्थ्य और सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।
 ■ इसमें विटामिन-स के साथ-साथ एंटी ऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं जो न केवल मानसिक तनाव को कम करते हैं बल्कि आपको जवां दिखने में भी मदद करते हैं। यह झुर्रियों के आने की प्रक्रिया को धीमा करने में सहायक है।
 ■ रोग प्रतिराधक क्षमता को बढ़ाने के लिए भी गराडू फायदेमंद है। इसके अलावा यह हड्डियों के विकास में भी सहायक है और शरीर की चोट या फिर घाव को जल्दी भरने में सहायक है।



यह बीते जमाने की बात हो गई, जब लॉन्ग बूट्स को बफ्रीले इलाके में पहनने जाने वाला बूट समझा जाता था। अब लॉन्ग बूट्स फैशन स्टेटमेंट बन गये हैं। आज बाजार में मौजूद अलग-अलग तरह के लॉन्ग बूट्स युवतियों को स्टाइलिश बना सकते हैं। सर्दियों के मौसम में कपड़ों का ही नहीं, फुटवियर का भी अंदाज बदल जाता है। सर्दियों में लॉन्ग बूट्स का चलन आमतौर पर बढ़ जाता है। सर्दियों की दस्तक के साथ युवा महिलाएं इन फुटवियर्स में अपने आप को फैशनेबल बना सकती हैं। लॉन्ग बूट्स की खासियत है कि स्कर्ट्स हो या जींस, यह सभी के साथ फवते हैं। लॉन्ग बूट्स में कई अलहदा स्टाइल हैं जिन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ अपना सकती हैं। लॉन्ग बूट्स हर तरह की ड्रेस के साथ फवते हैं। यही वजह है कि हर अवसर पर युवतियां लॉन्ग बूट्स में खुद को कम्फर्टेबल फील करती हैं। इन दिनों लॉन्ग बूट्स में साइड और बैक साइड जिप से लेकर साइड चैन, फेदर, पोलका डॉट्स, बेल्ट स्टाइल, एनीमल प्रिंट जैसी कई वैरायटी भी इनमें उपलब्ध हैं। इनमें आकर्षक बटनों और लेस आदि का चलन भी है, जो देखने में काफी सुंदर लगते हैं।



मिड लेंथ लॉन्ग बूट

लॉन्ग बूट्स में एक स्टाइल है मिड लेंथ। इसमें बूट घुटने से नीचे और टखनों से तीन से चार इंच ऊपर होता है। वन पीस ड्रेस या फिर स्कर्ट के साथ युवतियां स्टाइलिश मिड लेंथ बूट पहन सकती हैं। आगे से खुले या फिर महीन पोलका के ये स्टाइलिश बूट्स आपके स्टाइल और ज्यादा निखार सकते हैं।

नी लेंथ लॉन्ग बूट

नी लेंथ लॉन्ग बूट की लंबाई घुटनों तक होती है या फिर ये घुटनों से एक या दो इंच नीचे। युवतियां



सर्दियों के मौसम में कपड़ों के पहनने-ओढ़ने का ही नहीं, फुटवियर्स का भी अंदाज बदल जाता है। सर्दियों के बदलते फैशन में लॉन्ग बूट्स ट्रेंड में हैं। सर्द मौसम में ये पैरों को सुरक्षा देने के साथ-साथ पर्सनैलिटी को एक स्टाइल स्टेटमेंट भी देते हैं, इसीलिए युवतियां और युवा महिलाओं का रुझान लॉन्ग बूट्स की तरफ ज्यादा है।

ट्रेंड में हैं लॉन्ग बूट्स...



इन्हें स्कर्ट, डिवाइडर्स के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसमें आगे लगी चैन इन बूट्स बेहद स्टाइलिश बनाती है।

एंकल लॉन्ग बूट

युवतियां पेंसिल हील की एंकल बूट को लॉन्ग ड्रेस के साथ तो पहन ही सकती हैं, जींस के साथ भी इन्हें पहना जा सकता है। इसमें भी कई स्टाइल के बूट मार्केट में मौजूद हैं।

ओवर दनी बूट

लॉन्ग बूट के इस स्टाइल में बूट घुटने से दो या तीन इंच ऊपर होता है। इसमें भी बहुत स्टाइल्स होती हैं। कुछ में घुटने के पास से चैन लगी होती है और कुछ में घुटने के ऊपर सिर्फ एक तरफ से ही कवर होता है।

अगर आप नी-हाई बूट्स के साथ शॉर्ट स्कर्ट पहन रही हों तो स्टाइलिश लुक के लिए ओवर द नी सॉक्स पहनें और सॉक्स का कुछ हिस्सा एक्सपोज होने दें। स्कर्ट्स, बूट्स और ओवर द नी सॉक्स को आउटर लेयर में रखें। आप अपनी स्कैन फिट जींस या लेगिंग को इनर लेयर में रखें। जेगिंग्स को बूट्स में भी टक कर सकती हैं ये आपको स्टाइलिश दिखाता है। ऐसा नहीं है कि लॉन्ग बूट्स खरीदने के लिए आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। आप ब्रांडेड बूट्स की बजाय नॉन ब्रांडेड खरीद सकती हैं। देशी कंपनियों ने भी लॉन्ग बूट्स के इंटरनेशनल डिजाइन पेश किए हैं, जो आपके बजट और पसंद के अनुसार आसानी से मिल जाएंगे।

चटख रंगों के बूट्स

पहले जहां लांग बूट्स में काला, भूरा और सफेद जैसे गिने-चुने रंग ही पहने जाते थे, वहीं अब बूट्स में जामुनी, नीले, सुर्ख लाल, हरे आदि कई चटख रंगों के बूट्स बाजार में देखने को मिल रहे हैं। हालांकि लॉन्ग बूट्स में भूरे रंग का चलन बहुत है। इस रंग में भी बहुत सारे शेड्स उपलब्ध हैं जैसे, डार्क ब्राउन, लाइट ब्राउन, कैमल कलर, स्किन कलर, कॉफी कलर आदि।

फैब्रिक और डिजाइन

लॉन्ग बूट्स लेदर, रैगजीन, वेलवेट, डेनिम आदि कई तरह के फैब्रिक में उपलब्ध हैं। आप अपनी पसंद और कंफर्ट के मुताबिक इन्हें ले सकती हैं। सिंपल बैक साइड चैन से लेकर, साइड चैन, फेदर, पोलका डॉट्स, बेल्ट स्टाइल, एनीमल प्रिंट जैसी कई वैरायटी भी इनमें उपलब्ध हैं।

देरों वैरायटीज

डिजाइनर बूट्स में हाई हील, कैजुअल, एनिमल प्रिंट, मिड काफ, लेंथ बूट्स जैसी देरों वैरायटीज हैं, लेकिन हाई हील डिमांड में अधिक है। इसका कारण यह है कि हाई हील बूट्स हर तरह की ड्रेस के साथ अच्छे लगते हैं। जींस और स्कर्ट्स में यह खास लुक देते हैं। अगर आप पहली बार बूट्स खरीद रही हैं तो शुरुआत एंकल लेंथ बूट्स से करें। बूट्स खरीदते वक्त अपनी लंबाई का भी ध्यान रखें। लंबाई कम है तो आप नी लेंथ बूट्स न खरीदें, आपको एंकल लेंथ बूट्स ही सूट करेंगे, वहीं अगर आप लंबी हैं तो नी लेंथ या फिर थाई लेंथ बूट्स भी आप पर खूब फवेंगे।



कुछ ऐसा करें

शूज और बैग्स का कॉम्बीनेशन...

इस सीजन में आइकॉनिक लुक क्रिएट करने के लिए शूज और बैग्स का कॉम्बीनेशन बेहद खास है। अपने बैग को शूज के साथ मैच करना मुश्किल न भी हो, पर आसान भी नहीं है। बैग और शूज के बढिया पेयर से आप अमेजिंग लुक क्रिएट कर सकती हैं। कई महिलाएं शूज और बैग का एक ही कलर चुन कर लेती हैं और उनकी पहली च्वाइस हमेशा ब्लैक ही होती है। अगर आप सेम कलर में ही दोनों एक्ससरी पहन रही हैं, तो जान लें कि 30 की उम्र के बाद अगर आप मैचिंग बैग और शूज कैरी करती हैं आपकी उम्र में 10 साल और एड हो जाते हैं। अगर आपको एक ही कलर का बैग और शूज पहनने हैं तो अलग-अलग टेक्चर ट्राई करें। इससे लैट लुक का इपैक्ट खत्म होगा।

बोल्ड प्रिंट ड्रेस के साथ

यदि आपने लोरल, ग्राफिक या बोल्ड प्रिंट वाली ड्रेस पहनी है तो आप नैचुरल और सिंगल कलर बैग और सैंडल्स कैरी करें। प्रिंटेड ड्रेस के साथ प्रिंट बैग और शूज आपकी लुक को बिगाड़ देंगे। आप व्हाइट या बेबी ब्ल्यू बैग को जेब्रा प्रिंट शूज के साथ पेयर करें। आपके लुक में थोड़ी और फॉर्मैलिटी एड कर देंगे हैं। ब्राउन लेदर बैग



को लैपड पप्स के साथ कंबाइन करके आप स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

दो प्रिंटेड एक्ससरीज

कई बार दो प्रिंटेड एक्ससरीज एक से बेहतर होती हैं। समान टोन वाले स्नेक स्किन प्रिंटेड बैग और लोरल हील्स को पेयर करें और फिर देखें

छवि को काफी लंबे समय के लिए देखा। इससे पता चलता है कि लड़कियों का भय मकड़ियों से संबद्ध होता है, लेकिन खुश छवि उन्हें थोड़ी अजीब और अविश्वास को इंगित कर रही थी। दूसरी तरफ लड़कों ने दोनों सेट की छवियों को काफी लंबे और एक ही समय तक देखा, इससे लड़कों का डर मकड़ियों से संबद्ध नहीं किया जा सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह व्यवहार महिलाओं की विकासवादी भावना है, जो महिलाओं में विषैला कीड़े और हानिकारक जानवरों के बारे में अधिक डर को दर्शाती है। तो अगली बार जब भी आपको लगे कि लड़की मकड़ी से डर रही है तो उसका मजाक न बनायें क्योंकि उसका यह डर स्वाभाविक होता है।

टोट बैग के साथ

टोट बैग ओवरसाइज्ड होता है तो इसकी कैजुअल लुक को लैट शूज के साथ पेयर करें। यह आपको खूबसूरत वर्किंग वुमन का लुक देगा। इसका एक फायदा यह भी है कि जब आप हील्स पहनना चाहें तो लैट्स को अपने टोट बैग में रख सकती हैं। लैपड प्रिंट और लाल बेहद चिक कॉम्बीनेशन है। लैपड स्पोर्ट्स वाली हील को रैड टोट के साथ पेयर करें और फिर देखें ये कैसे एक-दूसरे को कॉंप्लीमेंट करते हैं।

इसका इपैक्ट। इसका सीधा-सा नियम है कि दो प्रिंटेड एक्ससरीज में से एक ऐसी हो जो आपको ध्यान अपनी ओर आकर्षित करे। ऐसा न हो कि दोनों ही अट्रैशन पाने के लिए एक-दूसरे से कंपीट कर रही हों।

सोफिस्टिकेटेड लुक

मैटेलिक टोंस सबके साथ सुंदर लगते हैं। सिल्वर क्लच गोल्ड हील्स के साथ देखने वाले की आंखों को चुंधिया देगा। सोफिस्टिकेटेड लुक के लिए टेक्सचर पर ध्यान देना जरूरी है। सिक्किन हील्स के साथ साटिन बैग सुंदर लगता है। मैटेलिक्स के साथ वाइब्रेंट कलर्स बढिया कॉम्बीनेशन बनाते हैं। ब्राइट पिक क्लच के साथ सिल्वर हील्स सुपर स्टाइलिश दिखेंगी।



ओवरसाइज बैल्ट फैशन में...

एक्ससेसरीज स्टाइलिश और फैशनेबल हों तो पूरा लुक ही बदल जाता है। किसी भी आउटफिट को डिफरेंट और कंप्लीट लुक देना हो तो बैल्ट से बेहतर कोई और एक्ससेसरी नहीं। बैल्ट आपकी पर्सनैलिटी को और भी निखार देती है, बशर्ते आप अपनी ड्रेस के अनुसार सही बैल्ट का चुनाव करें। बैल्ट का सही चुनाव आप को स्टाइल के साथ-साथ स्मार्ट लुक भी देता है। बैल्ट चुन करते समय फैशन और ट्रेंड का भी ध्यान रखें। ओवरसाइज्ड लैडर बैल्ट आजकल ट्रेंड में है। यह बोल्ड एक्ससेसरी आपकी आउटफिट को और भी बोल्ड, फैशनेबल और सुंदर बना देगी। पतली मैटेलिक बैल्ट्स तो फैशन से लगभग आउट ही हो



गोल्डन बकल

आप अपनी पसंदीदा ब्राइट कलर की कॉंफर्टल ड्रेस के साथ बड़े गोल्डन बकल वाली ओवरसाइज्ड ब्लैक बैल्ट पहनें। यह छोट्टा-सा बदलाव आपकी लुक को ट्रांसफॉर्म कर सकता है। इस लुक में आप बेहद ग्लैमरस लगेंगी। ऑफ-शोल्डर टॉप के साथ ओवरसाइज्ड बैल्ट आपको एकदम स्मार्ट लुक देगी।

चुकी हैं। आप सेलेब्स को इन ओवरसाइज्ड बैल्ट लुक में रॉक करते देख सकते हैं। आप का फिगर यदि परफैक्ट है, तो ओवरसाइज्ड बैल्ट और भी ज्यादा स्टाइलिश लुक देती है। पतली कमर पर पतली बैल्ट अवॉइड ही करनी चाहिए। पतली कमर पर चौड़ी बैल्ट ज्यादा सुंदर लगती है।

ब्राइट कलर्स के साथ पेयर: फैशन डिजाइनर इन ओवरसाइज्ड बैल्ट्स को ब्राइट कलर्स जैसे नियोन पर्पल और ऑरेंज कलर के आउटफिट्स के साथ पेयर कर रहे हैं। इन बैल्ट्स का इस्तेमाल पैटस्ट्रस से लेकर सभी तरह की ड्रेस से पर किया जा रहा है। शर्ट या ट्यूनिक के ऊपर यह बैल्ट बहुत फवती है। स्टेटमेंट-मेकिंग लुक के लिए ऐसी बैल्ट वियर करें जिसमें बहुत-सारे

छेद हों। **क्लासी टच:** किसी भी आउटफिट को तुरंत पार्टी वियर बनाने की क्षमता रखती है ओवरसाइज्ड बैल्ट। रोमांटिक लुक के लिए बैल्ट में टॉप इस तरह दबाएं कि उस का कुछ भाग बैल्ट के नीचे से निकले। यह बैल्ट आपकी ड्रेस को क्लासी टच देती है।

यह भी है प्रयोग

अपनी स्लीवलेस कॉटन ड्रेस के नीचे एक टी-शर्ट लेयर करें और पलेट्रिंग फिनिशिंग टच के लिए एक खूबसूरत ब्रॉड बैल्ट पहनें। अपने इस लुक में आप एकदम परफेक्ट दिखेंगी। आपने कभी पायजामे के साथ बेल्ट पहनी है? नहीं पहनी तो अब जरूर ट्राई करें। कॉम्प्लिमेंट्स मिलना तय है।

पाएं स्पेशल लुक

कभी भी ब्लैक ड्रेस के साथ ब्लैक बैल्ट न पहनें। यह आपके लुक को एकदम बोरिंग और डल बना देगी। व्हाइट ड्रेस पहन रही हैं तो इसके साथ कोई कलरफुल बैल्ट कैरी करें। इससे आपकी नॉर्मल ड्रेस को भी स्पेशल लुक मिल जाएगा।



आइडियल पेयर

अगर आपको पार्टियों में जाना पसंद है तो उन नाइट आउट्स के लिए जब आप अपनी सहेलियों के साथ हैंगआउट करने जाती हैं खूबसूरत क्लच बैग और हाई हील्स आइडियल पेयर हैं। सुंदर पेयर और न्यूड क्लच तो आपके वॉर्डरोब में जरूर होनी ही चाहिए।

कैजुअल आउटफिट्स

अगर आप शॉपिंग के लिए जा रही हैं तो टील कलर की चंकी हील्स और ओवर साइज्ड क्लच आपकी कैजुअल आउटफिट्स को भी बेहद सुंदर बना देंगे हैं। आपके हाथ में पकड़ी ओवर साइज्ड क्लच आपके लुक को और ज्यादा पॉलिश कर देगा। एक्स्ट्रा स्पोर्ट के लिए आप स्पोर्ट्स वाले शूज पहन सकती हैं, इससे आपको चलने में आसानी होगी।

शोध के अनुसार

ताना शोध के अनुसार, पुरुषों की तुलना में महिलाएं रंगने वाले कीड़ों से आसानी से डरने पर मजबूर हो जाती हैं। इस अध्ययन में 10 युवा लड़के और लड़कियां और बहुत सारी मकड़ी की तस्वीरें शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों के समाने एक भयभीत कार्टून का सामना करने के लिए मकड़ी के रंग की छवि को दिखाया गया। शोधकर्ताओं ने फिर खुश चेहरों के सामने मकड़ी और डरे हुए चेहरों के सामने फूल दिखाया।

कार्नेगी मेलोन विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग के एक

इंदौर में शर्मनाक

देश

में स्वच्छता के तमाम मानक सिद्ध करने वाले इंदौर में दो आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों का पीछा किए जाने और छेड़खड़ाइ की घटना देश को शर्मसार करने वाली है। ऐसे वक्त में जब देश वर्ष 2030 में राष्ट्र-मंडल की ओर 2036 में ऑलिंपिक खेलों की मेजबानी करने का दावा कर रहा है, इस तरह की घटनाएं भारत की छवि को धूमिल करने वाली हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट विवरणकर्ता में हिस्सा लेने आई ये खिलाड़ी गुरुवार की सुबह अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं। इस बीच एक एकर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू किया। उसने इन खिलाड़ियों में से एक को एक गतल तरीके से छुआ और फिर घटनास्थल से भाग खड़ा हुआ। विडंबना देखिए कि पुलिस को अभियुक्त को पकड़ने में डेढ़ दिन का समय लगा। बताया जाता है कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इस निंदनीय कृत्य पर प्रतिक्रिया देने में समय लगाया। वहीं दूसरी ओर राज्य क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने संकेत दिया कि दोनों खिलाड़ियों ने संभवतः सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। वहीं दूसरी ओर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। निरसिंहदे, यह चूक और ज्यादा गंभीर है क्योंकि इंदौर को मेहमान टीमाँ के लिये एक सुरक्षित शहर माना जाता है। ज़ाहिर है कि खिलाडियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं थी। निरसिंहदे, यह परेशान करने वाला मामला देश में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के आयोजकों के लिये एक चेतावनी जरूर है। यह भारत की छवि के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में विदेशियों, खासकर पर्यटकों को यौन उत्पीड़न का आसान नरिषाना माना जाता है। इस साल, राजस्थान में एक फ्रांसीसी पर्यटक के साथ दुराचार हुआ, वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में एक इसाइली पर्यटक का यौन उत्पीड़न किया गया।

करने का प्रयास करना चाहिए। समाज विज्ञानियों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि हमारे समाज में यौन अपराधों का ग्राफ इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहा है। समाज में नैतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास शिक्षा व अन्य माध्यमों से करना चाहिए। फिलहाल जो हालात हैं, वे हमारी वैश्विक छवि को धूमिल ही करते हैं।

কুণ্ড অলগ

પિછલા જન્મ

त्यर्थ की धारणा हमें सिखा दी गई है कि तुम्हें दुःखी होना ही पड़ेगा क्योंकि पिछले जन्मों का कर्म तुम्हें भोगना है। यह धारणा अगर मन में बैठी गई कि मैं पिछले जन्मों के कर्मों का भोग रहा हूँ तो सुख का उपाय कहाँ है? इतने-इतने जन्मों, कितने-कितने जन्मों! जौरीसी को यो गीतियाँ। इनमें कितने पाप किए होंगे—बड़े-बड़े हिसाब तो लगाओ! इन सारे पापों का फल भोगना है। सुख ही कैसे सकता है! दुःख स्वाभाविक मात्तम होने लगेंगा। ये आदमी को दुःखी रखने की ईश बात है। मैं तुमसे कहत हूँ: कोई पाप नहीं किए हैं कोई कर्म का फल नहीं भोगना है। तम अभी जगो ही नहीं तुमसे अभी हो ही नहीं पाप क्या खाक करोगे! पाप बुद्ध कर अपने लेंकिन बुद्ध पाप करते नहीं। अकबर की सगरी गिनायत थी और एक आदमी अपने मकान की मुँह पर पवन लगा और गालियाँ बकने लगा। सम्राट को गालियाँ! तक्षण पकड़ लिया गया। दूसरे दिन दरबार में मौजूद किया गया। अकबर ने पूछा: तू पागल है। क्या कह रहा था? क्यों कर रहा था? उसने कहा मुझे क्षमा करो मैंने कुछ कहा ही नहीं। मैंने शराब पीली थी मैं बेहोश था। मैं था ही नहीं। अगर आप मुझे दंड देगे तो ठीक नहीं होगा अन्याय को जाण्गा। मैं शराब पीए था। अकबर ने सोचा और उसने कहा: यह बात ठीक है, शराब शराब का था दोष तेरा नहीं था। तू जा सकता है। अगर अब शराब मन पीना। शराब पीने का दोष तेरा नहीं था। शराब पीने के बाद जो कुछ तेरे मुँह से निकल आ उसमें तेरा हाथ भी यह बात सच है। आज भी अदीलत पागल आदमी को छोड़ देतो है अगर पागल सिद्ध हो जाए। क्यों? क्योंकि पागल आदमी का क्या दायित्व? किसी पीछले ने किसी को गोली मार दी।

दृष्टि कोण

टंप के अहंक

कठपुतलियाँ

का उपयोग वर्षातमान में ट्रंप के द्वारा किया जा रहा है। अनेक मोर्चों पर चारों खानेपान होतों के बाद भी ट्रंप का विश्व सम्राट बनने का सपना निरंतर शोषरेम्मुखी होकर खतरनाक अडकाकर में परिवर्तित हो रहा है यदि समक्ष रहते इसका उपचार नहीं किया गया तो उसे विश्वयुद्ध में परिवर्तित होते देख नहीं लगेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वर्तमान कार्यकाल समूची दुनिया में आलोचना के केन्द्र बनता जा रहा है। इसका की नीतियों को अपनाने, अमेरिका को रातो रात संपने की लंका बनाना तथा सबसे शंसिशाली देश के रूप में स्थगित करके दुनिया की चौधगिरी पर घात की म्यूग्मारिचिका के पीछे दौड़ना अब उन्हीं के लिए घातक होता जा रहा है। डीप स्टेट, सोवार्ड तथा विश्वव्यापी मीरजाफरो के गिरोहों की दम पर संसार का सरदार बनने की चाह रखने वाले डोनाल्ड ट्रंप को शांति का नोबल पुरस्कार के लिए लालायित होते हैं तो कभी पंडितियों को लाडका युद्ध विषम का श्रेय लेते की

एकतरफा कोशिश में जुट जाते हैं। पैलाकर स्वयं को सबसे परामर्शि देशों में अशांति पैदाकर तख्तापन रचते हैं। दुर्घटन चालों में स्वयं को अमेरिका राष्ट्रपति की पुतिन यूक्रेन युद्ध विषम की संभावना हमसफे साथ उजगलकर के सधुनी पीछे स्वायं स्थथताते नजर और ऊस को अपना सबसे बड़ करी जूस का डंका बजाने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रत्यक्ष में शीत युद्ध छेड़ने का बाढाक के तीन बात ही अये हैं। आतंस्वार्थी और स्वाधीनता के लेते कोई भी राष्ट्र को चालों में पंफने के लिए तैयार कपटी और षडयंत्रकारी देशों पर चाने की स्थिति निर्माण हो जाने आसमान पर थूकने के बनने लगे अहिमहातवाकी व्यति की परिध



29 अक्टूबर, 2025
बेंगलूरु

भारत द्वारा अमेरिका को

आरक्षीय अर्धविवरणा

अमेरिका के द्रुम्य प्रशस्ति
होने वाले ति

प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया
देशों से अमेरिका को होने विभिन्
टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा
पर कच्चे तेल की खरीद के चल
निर्यात पर 25 प्रतिशत का अति
विभिन्न देशों से अमेरिका को होने
ने लगाया था और यह महत्वपूर्ण

असर विभिन्न देशों की अर्थवस्था
दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का

अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते धातु पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्था एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नाण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगातार 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है।

लगातार 2 लाख करोड़ प्रति माह
पंजी बाजार भी सकारात्मक परि

अक्टोबर 2025 को बढ़ाकर 84,

देश दुनिया से

मिले सुर मेरा तुम्हारा...

बीते

शुक्रवार पीयूष पांडे का निधन हो गया, उसी हफ्ते जब फ्रांसेस्का ओरिसिनी को भारत में प्रवेश से वर्जित कर दिया गया। विज्ञापन जगत के इस गुरु, जिन्होंने 1988 में 'दूरदर्शन' के लिए 5.36 मिनट के 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत के बोल लिखे थे, अगर उन्हें पता चलता कि स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड एफ्रीकन स्टडीज को इस प्रसिद्ध हिंदी-उर्दू विदुषी को मार्च माह में बीजा शर्त का उल्लंघन करने की वजह से गत सप्ताह लंदन वापस भेज दिया गया, तो उन्हें दुःख होता। हालांकि यह ठीक है, उस समय ओरिसिनी पर्यटक बीजा पर थीं, फिर भी शोधकार्य कर रही थीं - स्पष्टतः गुरु मंत्रालय ने 40 सालों से भारत में काम कर रही इस प्रसिद्ध बहूभाषी इतिहासकार को स्वीकार नहीं किया। शायद, उनके सुर नहीं मिले। पीयूष पांडे को उनके परिश्रमों के लिए ए कैपेन के लिए भी पदक दिया जाएगा, जिसने विविधात्मक ऐसे राष्ट्र के बारे में एक अलग संशोधन, जो कुछ भी हो, अच्छे-बुरे, हर समय में एकजुट रहकर सफलता अर्जित करता है। यहां मुख्य बात है, 'एकजुटा कायम रहना'। भारत 78 साल का हो गया और यह एकजुटा कामोबशी नहीं रही - कभी ज्यादा, कभी कम। आपके कैवरीक रूझान के आभार पर, हम इस पर बहस कर सकते हैं कि चीजें किस हद तक बिखर रही हैं या नहीं। जो इन्हें विचार-भार के हैं कि चीजें बिखर नहीं रहें, यह वैसा जाल है कि पंजाब में कार्यरत बिहार 10 लाख बिहारी प्रवासी मजदूर, जिनको तीन दिवसीय छुट्टी पूजा उत्सव मनाने के लिए घर ले जाने वाली ट्रेनों का आवामान सुव्यवस्थित करने में भाजपा कुतर्क संकल्प है—एक कहवात प्रयोग करने में, भाजपा यह सुनिश्चित करने में मसरूफ नहीं छोड़ रही कि यह प्रक्रिया सुचारु रहे। यह एक चतुर चाल है। बेशक, इसका मकसद दोनों राज्यों में भाजपा को राह आसान करना है - बिहार में चुनाव नजदीक हैं, छठ के तुरंत बाद, और पार्टी को आस है कि घर वापसी की सुखद रेल यात्रा बिहारी मजदूरों को तय करने में मदद करेगी कि उन्हें किस तरफ वोट करना है। जिन्हें लगता है कि चीजें बिखर रही हैं, वे उदाहरण देते हैं भारत से फ्रांसेस्का ओरिसिनी के निष्कासन का - पहली बार एक ऐसा व्यक्ति गया, क्योंकि 'बीजा शर्त' उल्लंघन के अलावा कोई असल कारण नहीं बताया।

पंजाब विश्वविद्यालय के फूट्रिब्यून् में पिछले कल अकायम रखने की दलील दी कुछ बुद्धिजीवीयों - राम-कृष्ण के अलावा देश में लेखन-समूह भारत से ओरिसिनी को छोड़ना नहीं हुआ। शायद जड़ है। काम लोग ही अलोकतंत्र मतभेद व असहमदलों पर निर्भर रहते हैं—विपक्षी दल या तो सिमट पड़े हैं—बहस करने वाले भारत में सबसे बड़ा असर भारत का भारत की अमेरिका को लेने पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के राजदूत विनय में उच्चारण कर इसे आसान में अपने डेस्क पर बैठ है। हैयट्रॉप के दाईं ओर खड़े दिखने भारत के लिए बर्थाई का शब्द राष्ट्रपत्नी के अलावा त्याग है?— पर यह मौका बड़ा गया। तो क्या यह पूछने का सरकार की अमेरिका नीति दरिया? निश्चित रूप से, साथ दोस्ती आसान हो—अहंकारी व्यक्ति हैं। लेकिन इसकी हकीकत है कि वजुद बनाए रखो। ऐसे दो परमाणु परीक्षणों उपरांत प्री और उनकी सरकार ने पूरी था; तथापि, अमेरिका में बुद्धि चंद्रा ने थैर्य रखा व भुक्ताने बाद क्लिंटन भारत आए व दूसरा उदाहरण है जब राजदूत उदरण सेन की थोड़ी टीम के प्रभाव से बाहर नि समझौता किया था। सेन ने



जम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों के

एक ब्राह्मण पण्डित के 50% शै

[illegible]

एक कक्षा राज में मिल रहा

फेन्सर शैली वालिया जे 'द वॉर' में शैशीक स्वतंत्रता लेलिकन उल्लेखनीय है कि ज. मुकुल केसवन आदि- अमेरिका के विपक्षीय करने की खासोशी ही समस्या की बात रख रहे हैं। चूँकि जीवित रखने को विपक्षीयता या इसक के आजकल या फिर अप्राप्तिको हो रहे हैं लुंभ और पस्त हैं। शायद संदेश नीति और खासकर संदेश नीति नीति पर होने वाली बहस संदेश नीति टुटने में अमेरिका में कवात्रा के नाम को गलत बनाना। जो व्हाइट हाउस व्हाइट नीति संदेश लिख रहे हैं संदेश जिसका मंत्र्य रणनीति था - आखिर कितने हैं अपना मानकर अपनाया है अपनायास्पद था बनकर रह ही समय है कि क्या मोदी भारत को असफल बना न नेताओं में नहीं जिनके एक आत्मकेंद्रित और भी असफल है कि भारत को संदेश को सामना किया और रण हैं- पहला, 1998 के वर्ष काल, जब बिल क्लिंटन भारत पर दबाव बना रहा त क त कालीन राजदूत नरेन्द्र मोदी को भारत को कर दिया। दो साल दिन खुशी-खुशी बिताए। डब्ल्यू डूरा ने भारतीय दूत से, अपनी रणनीतिक बदल के साथ परमाणु परीक्षण के खासकर अमेरिकी व्यवसायियों को लगाया था- जिनमें कई भारतीय मूल के थे। तब फिर इस साल की शुरूआत में टुटने की व्हाइट हाउस में वापसी होने और टेक्सास के एक स्टेटियम में 'अमेरीका वार... टुट सरकार' के नारे की गुंज के बीच प्रधानमंत्री मोदी के साथ की परिक्रमा की याद पूरी तरह भुला देने के बाद से हालात क्या बिगड़ते गए? यह सवाल कई बार पूछा गया- पहले तब जब जंजीरों में जकड़े भारतीयों को, जिनमें अधिकांश पंजाबी मूल के थे, हवाई जहाजों में भरकर भारत वापस भेजा गया- इससे पूर्व टुट सत्ता में आने पर 'बाहरी अवांछित लोगों' को वापस भेजने की हौंकार करते थे और इसका पहला निशान भारतीयों को बनाया। गत सप्ताह उन्होंने रूस से आयात किए जाने वाले सस्ते तेल को मात्र कम करने के लिए विचार करके भारत को एक और शर्मिंदगी झेलने को मजबूर किया -यह तेल अतिपूरी शुरू होने के तीन साल बाद, मामले पर काफी पैरवी करने के बाद, आखिरकार मोदी सरकार को झुकना पड़ा। लेकिन बात यहां तक पहुंची क्यों? कैसे विदेश मंत्रालय ने उचित सलाह न देकर प्रधानमंत्री मोदी को निराश किया? अपने सबसे महत्वपूर्ण रिश्ते जिन अमेरिका के साथ संबंध पर, भारत की विदेश नीति इतनी चुक क्यों गई कि अब उसमें पूरी तरह बदलाव की जरूरत है? समस्या रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने की नहीं है- इससे पहले भी, 2012 में, जब अमेरिका ने ईरान से तेल खरीद रोकेन पर मजबूर किया था, तब भी भारत ने चुप्पी साध ली थी। दिक्कत यह है कि वाशिंगटन डीसी में भारत का कोई बहुत नजदीकी दोस्त नहीं बचा है, जो नुकसान की सूरत बनने पर उसे यह एक ही दाला सके कि इसमें हानि परसूर है अर्थात सोचनी ही पहले में है। याद कीजिए, जब रूस भारत को एस-400 मिसाइलें बेच रहा था, तब भी भारत ने उस पर लगे प्रतिबंधों में विशेष छूट देने के लिए अमेरिका को मना लिया था? नृ भारत की त्रासदी यह है कि अब लोगों को बीच संवाद कम हो रहा है। हम नहीं जानते कि हिंदी-उर्दू की इतिहासकार फ्रांसेस्का ओरसिनी को भारत से क्यों निकाला गया- कोई नहीं बता रहा। हमें नहीं पता कि टुट्स अब हमें पसंद क्यों नहीं करते, हालांकि कुछ सबसे होशियार अमेरिकी, भारतीय मूल के हैं। या फिर आने वाले पीढ़ी मुत्तानी- नेपल, पाकिस्तान, बांग्लादेश- के साथ हमारी तुलना क्यों है।

संभारवनाएँ

नंबर 2025 को लॉस चोनेरोस, 5
 शस लोबोस, 12 अगस्त 2025 को
 शन आमा, 5 मई 2025 को विव
 25 को ग्रेन ग्रीक, 5 मार्च 2025 को
 फरवरी 2025 को कॉर्टेल डेल
 10 फरवरी 2025 को कॉर्टेल डेल जलिकों
 10 फरवरी 2025 को कॉर्टेल डेल
 10 2025 को ला नुएवा फर्मिलिया
 फरवरी 2025 को कॉर्टेल डेल
 2025 को कॉर्टेल्स यूनिडोस, 20
 2025 डे अरागुआ, 20 फरवरी 2025
 वा, 1 दिसंबर 2021 को सेरुंडा
 (संभर 2021 को कोरॉलिया की
 मार्च 2021 को आईएसआईएस -
 र्व 2021 को आईएसआईएस -
 नवंबर 2021 को हरकत सवाद
 2020 को असेब अहल अल-हक,
 जैश अल-अहल, 15 अप्रैल 2019

को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, 27 मार्च
 2019 को अल-हयात मीडिया सेंटर और अमाक न्यूज
 एजेंसी, 6 सितंबर 2018 को जमात नुसरात अल-
 इस्लाम वलूमसूमलिन, 11 जुलाई 2018 को अल -
 अस्तर ब्रिजिड, 23 फरवरी 2018 को ग्रेटर सहारा में
 आईएसआईएस, 28 नवंबर 2018 को
 आईएसआईएस - पामि अफ्रीका, 28 फरवरी 2018 को
 आईएसआईएस - फिलीपींस, 28 फरवरी 2018 को
 आईएसआईएस - बांग्लादेश, 17 अगस्त 2017 को
 हिज्बुल मुजाहिदीन, 2 नवम्बर 2017 को मारवान
 हदीद ब्रिगेड्स, 1 जुलाई 2016 को भारतीय उपमहाद्वीप
 में अल - कायदा, 20 मई 2016 को आईएसआईएस -
 तेलीव, 14 जनवरी 2016 को इस्लामिक स्टेट का
 खुदासना प्रांत, 30 सितंबर 2015 को जैश रिजाल
 अल-तारिक अलनक्शबंदी, 30 सितम्बर 2015 को
 आईएसआईएस सिनाई प्रांत, 10 अप्रैल 2014 को
 आईएसआईएस - सिनाई प्रांत जिसे पूर्व में अंसार बेत
 अल-मकदीस कहा जाता था।



7

निर्यात बढ़ाकर कर ली गई

फ का कोई असर नहीं



बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात्, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे हैं। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 2.8 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की वृद्धि है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू एक 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 पर भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि वृद्धिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आई गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। अमेरिका में बैंकों से लिए एयू ऋण एवं क्रेडिट कांड पर लगे उधारी की किराओं के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि वृद्धिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लाभान् 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं।

आप का नजरिया

મેડિકલ પ્રીટોં એ અધિક દવાઓ ત્રી

गुणवत्ता बढ़ाना जरूरी

साल

2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य का कार्यालयलत बहुत जरूरी है। पिछले पात दशकों में मेडिकल शिक्षा का बहुत विस्तार हुआ है, किंतु अब भी यह न तो देश की नावश्यकताओं के अनुरूप है और न ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों को पूरा करती है। पिछले हफ्ते चिकित्सा संस्थानों में सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एएमसीएस) के एनए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के लिए 3,67,600 एमबीबीएस सीटें स्वीकृत हो चुकी हैं और कुल मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 816 तक पहुंच गई है। जबकि, पिछले दशक में संख्या इससे बहुत कम थी। जैसे, वर्ष 2013-14 में एमबीबीएस सीटें 51,348 थीं। पोस्ट ग्रेजुएशन, यानी एमडी, एमएस, डब्ल्यूआरआर सीटों में भी बढ़ोतरी हुई है। साल 2014 के बाद से यह लगभग 31,000 से बढ़कर 3,157 तक पहुंच चुकी है। डेंटल चिकित्सा के क्षेत्र में भी बीडीएस और एमडीएस की सीटें बढ़ाई गई हैं। यह बढ़ोतरी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत में हर साल चिकित्सा शिक्षा में दाखिले के लिए लाखों



सी तरह उभरकर सामने आई हैं। जैसे, बहुत विस्तार हुआ है, किंतु अब भी यह न तो

नहीं। यह एक अलग अवस्था प्रतीत होती है। हमें दुःख है। इसका इस्तेमाल है, क्योंकि संस्था बचने के लिए आवश्यक गुणवत्ता उस कदर नहीं बढ़ सकी है। एमटीएस शिक्षण में भी इसी तरह की चुनौतियाँ हैं। जहाँ तभी ऐसे क्षेत्रों का ज़रूर जिक्र किया जा सकता है। जहाँ यदि ठोस रणनीति न बनाया गई, तो (एनएमएस) के भारी चलकर देश के स्वास्थ्य शिक्षण वांछनीय मार्गों के बजाय गलत रास्ता चुन सकते हैं। मेडिकल कॉलेजों के लिए नए कौनों सीटों में बढ़ोतरी का रही है, लेकिन बुनियादी चीजें, क्लिनिकल अनुभव और शोध-संस्कृति के स्तर पर संस्थान तैयार नहीं हैं। हो सके हैं। कुछ नए कॉलेजों में तो पर्याप्त संख्या में योगी भी नहीं आते या उनमें विशेषज्ञ व्यवभागों का पूरी तरह से विकास नहीं किया गया है। इसके कारण सीटें बढ़ने के बावजूद चिकित्सा छात्रों के अनुभव नहीं बढ़ रहे। यदि चिकित्सा छात्रक अच्छे अनुभव नहीं हासिल करते, तो फिर वे चिकित्सकीय व्यवहार में उन्नत नहीं होंगे, जिनका उनका होना चाहिए। एमबीबीएस में दाखिला नीट परीक्षा के स्कोर के आधार पर भारी प्रतिस्पर्द्धा के बाद होता है। मगर उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएशन और एमपीड (एमएस ऑफ़) के लिए सीटें पर्याप्त नहीं हैं। यहां एक प्रश्न की 'बॉटल-नेक' स्थिति देखी जा रही है। इसके कारण, मेडिकल छात्रों को उनका मनचाहा विशेषज्ञ-नियुक्त मिला न। मुश्किल हो जाता है। एमपीड पर भी इसका ख़ासा असर पड़ता है। यदि पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं

अध्यात्म, शिक्षण अस्पतालों की गुणवत्ता और शोध से जुड़ी गतिविधियाँ भी प्रभावित होती हैं। देश के चिकित्सा शिक्षण-संस्थानों में, सीटी के वितरण में और निजी बनाना सार्वजनिक संस्थाओं में बहुत विषय है। कुछ राज्यों में तो मेडिकल कॉलेज-क्लिनिकल लोड बहुत अधिक है, उनका कुछ पैसा नहीं है। निजी और सरकारी संस्थानों में भी संसाधनों, रोगी-संख्या, शिक्षण-दार्शनिक आदि में भारी अंतर देखने को मिलता है। यदि छात्रों को पर्याप्त स्वास्थ्यवर्धक रोगी अनुभव है, 'विभिन्न रोगों के क्लिनिकल कस' के 'समस्त अस्पतालों' के भीतर व्यावहारिक प्रशिक्षण नहीं मिलता, तो उनका वैयक्तिक और पेशेवर विकास नहीं होगा। कि सीटी की संख्या बढ़ाने में साधन-साथ संसाधन भी बढ़ाए जाएं। उनका संतुलित क्षेत्रवार वितरण तो होना ही चाहिए, साथ ही निजी-सरकारी मॉडल भी तैयार करना चाहिए। भारत में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सीटी का बढ़ना निरस्तदेर सफल नहीं है, लेकिन जैसा कि अमेरिका में कहा जाता है, 'बहुत होना' और 'बहुत अछा होना' दोनों जरूरी हैं। संख्या बढ़ गई, मगर गुणवत्ता, विषयवस्तु, क्षेत्रीय संतुलन और क्लिनिकल-प्रशिक्षण की चुनौतियाँ अभी भी सामने हैं। निम्नलिखित हैं।

अध्ययन में। लिहाजा, हमारे नीति-नियंत्रणों को यह सोचना ही चाहिए कि कैसे 'अच्छा' और 'बुरा' तैयार करना, सुनिश्चित किया जाए।





ट्रंप-शी मुलाकात से पहले चीन के विदेशमंत्री ने अमेरिकी समकक्ष से बात की

बीजिंग, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चीन के विदेशमंत्री वांग यी ने सोमवार को अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो के साथ फोन पर बातचीत की। वांग ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की अच्छी तैयारी के लिए एक-दूसरे से मिलेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करेंगे। वांग ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विश्वस्तरीय नेता हैं। दोनों आपसी सम्मान साझा करते हैं। यह चीन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे

मूल्यवान रणनीतिक संपत्ति रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह टेलीफोनिक बातचीत शी जिनपिंग की एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग के 32वें आर्थिक नेताओं की बैठक में भाग लेने के लिए कोरिया गणराज्य की यात्रा से तीन दिन पहले हुई। विदेश मंत्रालय ने बार-बार कहा है कि राष्ट्राध्यक्ष की कूटनीति ने चीन-अमेरिका संबंधों में एक अप्रणालीय रणनीतिक मार्गदर्शक भूमिका निभाई है। इस साल ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से शी जिनपिंग ने उनसे तीन बार जनवरी, जून और सितंबर में बातचीत की है।

वांग ने चीन-अमेरिका संबंधों के व्यापक महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि इसका विश्व की दिशा पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक सुदृढ़, स्थिर और टिकाऊ द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों की पूर्ति करते हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। वांग ने कहा कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को हाल ही में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बीजिंग और वाशिंगटन ने

रविवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में दो दिवसीय आर्थिक और व्यापारिक वार्ता का समापन किया। वांग ने कहा कि दोनों पक्षों ने कुआलालंपुर वार्ता का उपयोग अपनी-अपनी स्थिति स्पष्ट करने, आपसी समझ बढ़ाने और सबसे जरूरी व्यापारिक मुद्दों को समान स्तर पर हल करने के लिए किया। रुबियो ने कहा कि अमेरिका-चीन संबंध दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उच्चस्तरीय बातचीत के माध्यम से दोनों पक्ष अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सकारात्मक संकेत भेज सकेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

भूकंप से हिला तुर्किये, बालिकेसिर प्रांत में सबसे अधिक तबाही, 6.1 मापी गई तीव्रता

अंकारा (तुर्किये)। तुर्किये के बालिकेसिर प्रांत में भूकंप से थारी तबाही हुई है। रिवटर स्केल पर इसकी तीव्रता



6.1 रही। भूकंप के जोरदार झटके स्तांबुल और अन्य शहरों में भी महसूस किए गए। घबराए लोग घरों से बाहर निकल आए। तमाम इमारतें तेज झटकों की वजह से धराशायी हो गईं। देश की आपातकालीन एजेंसी ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किये की आपातकालीन एजेंसी ने बताया कि सोमवार देररात देश के बालिकेसिर प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। तुर्किये के आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 10:48 बजे (1948 जीएमटी) आया। किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। भूकंप का केंद्र 5.99 किलोमीटर की गहराई पर था और इस्तांबुल सहित आसपास के प्रांतों में भी महसूस किया गया। तुर्किये के उपराष्ट्रपति सेवदत थिलमाज ने तुर्किये के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कहा, आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य संबंधित संस्थानों ने निरीक्षण शुरू कर दिया है और रिपोर्टों की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जा रही है। तुर्किये टुडे अखबार के अनुसार, प्रमुख शहरों में 40 सेकंड तक झटके महसूस किए गए। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भूकंप का प्रभाव बालिकेसिर प्रांत के सिदिरगी जिले में सबसे अधिक महसूस किया गया। कठिल्ली वेशशाला ने भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी और इसकी गहराई 11.4 किलोमीटर थी। इस्तांबुल और इजमिर के निवासियों ने बताया कि भूकंप का असर लगभग 30-40 सेकंड तक रहा इस्तांबुल और इजमिर के अलावा बर्सा और कनकले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

नेपाल में बढ़ते तनाव के चलते टल सकते हैं चुनाव, भारत रख रहा पैनी नजर

काठमांडू। नेपाल में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन रही है। आरोप लग रहे हैं कि वर्तमान सरकार की राजनीति नेपाली कांग्रेस (एन) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (यूएमएएल) जैसी स्थापित पार्टियों को कमजोर करना

है, जबकि उभरते हुए पश्चिम समर्थक समूहों को फायदा पहुंचाना है। यही कारण है कि अगले साल होने वाले चुनाव भी टाले जा सकते हैं। नेपाल में बीते महीने जेन-जेड के व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद देश की सरकार गिर गई थी। अनिश्चितताओं के बीच युवाओं ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए देश की पूर्व मुख्य न्यायधीश सुशीला कार्की के नाम पर मुहर लगाई, जिसके बाद देश में शांति की उम्मीद जताई गई। अंतरिम सरकार ने अगले साल मार्च तक लोकतांत्रिक चुनाव करवाने की भी घोषणा की थी। हालांकि अब इस योजना पर अंधेरा छाता दिख रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नेपाल में 5 मार्च को होने वाले चुनावों को टालने की बातचीत शुरू हो गई है। शीर्ष खुफिया सूत्रों ने यह भी कहा कि भारत नेपाल की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। सूत्रों ने कहा कि भारत नेपाल में जल्द से जल्द लोकतांत्रिक व्यवस्था चाहता है। भारत को चिंता है कि नेपाल की नाजुक अर्थव्यवस्था का पतन देश को गृहयुद्ध की ओर धकेल सकता है। वहीं भारतीय एजेंसियां बाहरी हस्तक्षेप को लेकर भी सतर्क हैं। उनका मानना है कि ज्यादा लंबे समय तक राजनीतिक शून्यता भारत विरोधी तत्वों को नेपाल में अपनी नींव जमाने का मौका दे सकती है। वहीं इस मौके का फायदा चीन भी उठा सकता है।

रुस का ट्रंप को तंज.....बिना तैयारी बैठक करने में समय बर्बाद नहीं करते पुतिन

मॉस्को। रुस-अमेरिका के बीच यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की उम्मीदों पर फिर से झटका लगा है। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेंसकोव ने दो टुक कहा, 'राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मीटिंग सिर्फ मीटिंग के लिए नहीं करते। उन्हें वक्त बर्बाद करना बिल्कुल पसंद नहीं,

मतलब बिना तैयारी के कोई भी मीटिंग बेकार है। इसलिए विदेशमंत्री सर्गेई लावरोव और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को तैयारी का आदेश दिया है। प्रॉसेस जटिल है। उन्होंने कहा, पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीटिंग कैसल होने की बात गलत है, क्योंकि अभी तक तारीख तय नहीं थी। क्रैमलिन की ये ताजा प्रतिक्रिया उस वक्त आई है, जब ट्रंप ने कहा कि मीटिंग 'वेस्ट ऑफ टाइम' होगी। लेकिन रुस का ये स्टैंड इशारा दे रहा कि पुतिन किसी भी कीमत पर झुकने के लिए तैयार नहीं। वे अपनी पुरानी शर्तों पर कायम हैं। यूक्रेन की डी-मिलिटराइजेशन करना होगा। डोनबास पुतिन अब नहीं छोड़ने वाले और नाटो का यूक्रेन तक विस्तार उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं है। शुरुआत अगस्त में हुई जब अलास्का के एंकरेज में ट्रंप-पुतिन की पहली समिट हुई। वहां दोनों ने यूक्रेन पर बात की। ट्रंप ने कहा, मैं युद्ध 24 घंटे में खत्म कर दूंगा। पुतिन ने शांति की बात मानी, लेकिन शर्तें रखीं।

बलुचिस्तान के रीको में पाकिस्तानी सेना पर हमला, कई जवान मारे गए, तुर्बत में केच डीसी के काफिले पर विस्फोट

कैटा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने सेना को निशाना बनाया। इस हमले में कई जवान मारे गए और कुछ घायल हो गए। इसके अलावा केच के डिटी कमिश्नर (डीसी) के काफिले को धमाके से उड़ाने की कोशिश की गई। डीसी सुरक्षित हैं। कच्छी जिले में लेवीज थाना और कई इमारतों को फूट दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, केच जिले की बुलेटा तहसील के रोगान के रीको क्षेत्र में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमला किया। इस हमले में कई जवान मारे गए और कुछ घायल हो गए। हमलावर जवानों के हथियार भी लूट ले गए। इस घटना पर अब तक अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। अभी तक किसी ने भी इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के महीनों में बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमले बढ़े हैं। आजादी समर्थक संगठन अकसर सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हैं।

डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को तुर्बत में केच के डिटी कमिश्नर के काफिले को निशाना बनाकर सड़क किनारे किए गए बम विस्फोट में लेवी नौ अधिकारी और एक राहगीर घायल हो गए। एक अन्य घटना में हथियारबंद दर्जनों लोगों ने कच्छी जिले के एक कस्बे में धावा बोल दिया और पुलिस थाने में आग लगा दी। इस दौरान पुलिस के साथ भीषण मुठभेड़ के बाद भाग निकले।

अधिकारियों ने कहा कि एक मोटरसाइकिल में



लगाया गया इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस एक सुरक्षा वाहन के बगल में तब फटा जब डीसी के काफिला तुर्बत में थाना रोड पर पहुंचा। तुर्बत के पुलिस उपाधीक्षक नजीर अहमद ने बताया कि शक्तिशाली विस्फोट में सुरक्षा वाहन में मौजूद कम से कम नौ लेवी कर्मी और एक राहगीर घायल हो गए। डिटी कमिश्नर बुलेटग्रूफ वाहन में यात्रा कर रहे थे। वह विस्फोट में सुरक्षित रहे। विस्फोट के तुरंत बाद सुरक्षा बल और पुलिस जवान घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को तुर्बत जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने अस्पताल के अधिकारियों के हवाले से कहा, दो कर्मियों की हालत गंभीर है। विस्फोट में एक सुरक्षा वाहन नष्ट हो गया। डीसी का बुलेटग्रूफ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास खड़ी कम से कम एक दर्जन इमारतों और पांच वाहनों को भी नुकसान पहुंचा।

दूसरी ओर, दर्जनों आतंकवादियों ने कच्छी जिले के भाग कस्बे पर हमला कर लेवीज थाने व अन्य सरकारी इमारतों में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि दो हमलावरों को भी मार गिराया गया। एक शव को आतंकवाद निरोधी विभाग ने कब्जे में ले लिया और दूसरे को भागते हुए आतंकवादी अपने साथ ले गए।

अधिकारियों ने बताया कि शाम 4:15 बजे लगभग 50 हथियारबंद लोग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर भाग पहुंचे और एक पिकअप ट्रक, पुलिस और लेवी थानों पर हमला कर दिया। उन्होंने लेवी कर्मियों को बंधक बना लिया और थाने पर गोलीबारी शुरू कर दी।

गोलीबारी में भाग के एसएसपी लुटफ खोसा की जान चली गई। कच्छी के एसएसपी माजूर रहमान ने बताया, हमारे पुलिस अधिकारी शहीद हो गए और एक पुलिस कांस्टेबल मोहम्मद अफजल खोसा घायल हो गए। उन्होंने बताया कि दो आतंकवादी भी मारे गए। एसएसपी के अनुसार, हथियारबंद लोग न्यायिक लॉकअप में घुस गए और छह विचाराधीन कैदियों को छुड़ा ले गए। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने तहसील कार्यालय पर भी हमला किया और पटवारखाना के रिकॉर्ड और उसके फर्नीचर को लूट लिया। एसएसपी ने बताया कि हमलावरों ने नेशनल बैंक की स्थानीय शाखा में घुसने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस थाना पूरी तरह जलकर खाक हो गया। हमले में भारी हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जिससे नेशनल बैंक की इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई।

14,000 किलोमीटर की रेंज, तबाही का दूसरा नाम है ये मिसाइल.....ट्रंप दिख रहे परेशान



मॉस्को। रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की कि रुस ने अपनी परमाणु-संचालित क्रूज मिसाइल बुरेवेस्तनिक का सफल परीक्षण किया है। रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख व्लादी गेरासिमोव के अनुसार, मिसाइल परीक्षण के दौरान लगभग 15 घंटे तक हवा में रही और करीब 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की। पुतिन ने दावा किया कि यह मिसाइल दुनिया में किसी अन्य देश के पास नहीं है और यह दुश्मन की मिसाइल रक्षा प्रणालियों को आसानी से चकमा दे सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह मिसाइल हवाई और मिसाइल रक्षा प्रणालियों को भेदने में सक्षम है। पुतिन ने कहा कि इस हथियार को जल्द ही तैनात करने की तैयारी की जाएगी और इसके उपयोग के तरीकों पर विचार किया जाएगा तथा बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा। यह परीक्षण तब हुआ है जब रुस और अमेरिका के बीच कूटनीतिक रिश्ते और खराब हुए हैं, खासकर अमेरिका द्वारा रुस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के बाद। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ प्रस्तावित शिखर सम्मेलन भी रद्द हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया था।

इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दिन, नहीं हो सकी प्रगति

इस्तांबुल (तुर्किये), 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तुर्किये के शहर इस्तांबुल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता का तीसरा दिन (सोमवार) बिना किसी निर्णय के समाप्त हो गया। पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी मांगों पर अड़े रहने और तालिबान वार्ताकारों के काबुल के नक्शेकदम पर चलने के कारण वार्ता नया सत्र एक तरह से स्थगित हो गया। दोनों पक्ष अपनी-अपनी बातों पर अड़े हुए हैं। पाकिस्तान के अखबार द न्यूज ने उच्चस्तरीय सूत्रों के हवाले से इस वार्ता पर अपनी रिपोर्ट में आज सुबह जानकारी दी। हालांकि दोनों सरकारों की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न ही मध्यस्थ तुर्किये ने कोई टिप्पणी की है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि काबुल प्रशासन ने इस्लामाबाद की आतंकवाद-रोधी प्रमुख शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। यह सत्र असहमति से भरा रहा। पाकिस्तान अपने प्रस्तावों पर अड़ा रहा, जबकि



अफगान तालिबान प्रतिनिधिमंडल काबुल से निर्देशों के सामने विवश रहा। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि तालिबान प्रतिनिधिमंडल काबुल से हालिया झड़पों और दोनों पक्षों के बीच हुई झड़पों के बाद शुरू हुई।

से कोई उत्साहजनक प्रतिक्रिया न मिलने से गतिरोध और बढ़ गया है। दोनों पक्षों के बीच तीसरे दौर की वार्ता इसी महीने सीमा पर हुई हालिया झड़पों और दोनों पक्षों के बीच हुई झड़पों के बाद शुरू हुई।

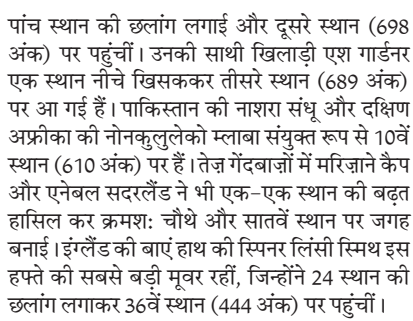


दी, जबकि अल जजीरा टीवी चैनल ने बताया कि शव उत्तरी पट्टी में गाजा शहर के तुप्फाह इलाके में खोज अभियान के मिला चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली खुफिया एजेंसियों का मानना है कि हमला गाजा में हुआ कर रहे गए 13 मारे गए बंधकों में से 10 के अवशेष ढूंढ सकता है। इनमें कर्नल आसफ हमामी और लेफ्टिनेंट हदर

गोल्डन शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल का मानना है कि हमला जानबूझकर दोनों के शवों को रोक रहा है, क्योंकि शहीद सैनिक इजराइल में बहादुरी के प्रतीक बन गए हैं। हमला के प्रवक्ता हजम कासिम ने कहा, इजराइल का यह दावा झुठ है कि हमला उस को यह पता है कि शव कहाँ हैं।

कैटेगरी-5 तूफान 'मेलिसा' जमैका की ओर बढ़ा, तबाही की चेतावनी

कॉस्टन। कैरेबियाई देश जमैका पर अब तक के सबसे भीषण तूफान का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) ने चेतावनी दी है कि कैटेगरी-5 हरिकेन मेलिसा सोमवार रात या मंगलवार सुबह तक जमैका के तट से टकरा सकता है, जिससे विनाशकारी तबाही की आशंका है। 165 मील प्रति घंटे की रफतार, 13 फीट ऊंची लहरें एनएचसी के अनुसार, मेलिसा की गति 165 मील प्रति घंटे (265 किमी/घंटा) तक पहुंच चुकी है और इसके साथ 13 फीट तक ऊंची समुद्री लहरें और 40 इंच तक बारिश हो सकती है। इससे बाद, भूस्खलन और बिजली तथा जल आपूर्ति टूट पड़ने का खतरा है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि तूफान के चलते वृहद पैमाने पर बुनियादी ढांचे को नुकसान होगा और कई समुदायों का संपर्क पूरी तरह कट सकता है। जमैका में अनिवार्य निकासी आदेश जारी सरकार ने तटीय इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया है। यह तूफान संभवतः जमैका के इतिहास का सबसे शक्तिशाली हरिकेन साबित हो सकता है। मेलिसा के चलते अब तक हैती में तीन और डॉमिनिकन रिपब्लिक में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। 24 घंटे में दोगुनी ताकत, वैज्ञानिक विधित विशेषज्ञों के अनुसार, मेलिसा ने बीते 24 घंटों में 70 मील प्रति घंटे की अतिरिक्त गति हासिल की, जो अत्यंत तीव्र वृद्धि मानी जाती है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि महासागरों के गर्म होने और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन से ऐसे सुपर तूफानों की आवृत्ति और ताकत दोनों बढ़ रही हैं। मंत्री सैमूअल ने कहा- तैयारी का वक्त खत्म हो चुका है जमैका के जल, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री मैथ्यू सैमूअल ने सोमवार को कहा, अब तैयारी का समय लगभग खत्म हो चुका है। अब समय है निर्देशों को चुनने और पालन करने का।



मैंच की बात करें, तो इस मुकाबले में बंगाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 279 रन बनाए, जबकि मैंच गुजरात की टीम 167 रनों पर सिमट गई और बल्लेबाजी पारी के आधार पर 112 रनों की बहुत हानि की। बंगाल ने दूसरी पारी में 8 विकेट पर 214 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और गुजरात के सामने 327 रनों का लक्ष्य रखा। 327 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम मात्र 185 रनों पर सिमट गई और बंगाल ने मैंच 141 रनों से मैंच जीत लिया।



न्यूज ब्रीफ

लैंसकार्ट का 70,000 करोड़ का आईपीओ
31 अक्टूबर से खुलेगा, कंपनी 7,024
करोड़ जुटाने की तैयारी में



मुंबई। आईवियर कंपनी लैंग्वेज ऑफ शेरय बाजार में कम रकम खरीद रही है। कंपनी का इनिशियेशन पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) 31 अक्टूबर तक 3 नवंबर तक खुला रहेगा और इसके शेरय 10 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी की वेल्यूएशन करीब 70,000 करोड़ आंकी गई है। आईपीओ का प्राइस बैंड 382 से 402 प्रति शेरय तय किया गया है। कुल इश्यू साइज 7,024 करोड़ का होगा, जिसमें 2,150 करोड़ के नए शेरय जारी होंगे और 4,875 करोड़ के शेरय मौजूदा निवेशक बेचेंगे। इस इश्यू के जॉइजिंग कंपनी करीब 830 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ से मिलने वाली रकम का उपयोग कंपनी नए कोको स्टोर खोलने, तकनीकी सुधार, ब्रांड प्रमोशन और व्यापार विस्तार में करेगी। वि.वर्ष 2024-25 में लैंग्वेज ऑफ कुल आय 6,652.5 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल से 22.5 फीसदी अधिक है। कंपनी ने इस वर्ष 297.34 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जबकि पिछले वर्ष उसे घाटा हुआ था।

सेबी से मंजूरी के बाद मिल्की मिस्ट
लाएगी 2,035 करोड़ का आईपीओ



नई दिल्ली। दक्षिण भारत की लोकप्रिय डेयरी ब्रांड मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स लिमिटेड को भारतीय प्रभुति और विनिमय फाइंड (सेबी) से आपन प्रांशभिक सार्वजनिक निमिम (आईपीओ) के लिए मंजूरी मिल गई है। कंपनी करीब 2,035 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। इसमें से 1,785 करोड़ नूण शेयर जारी करके और 250 करोड़ पुराने शेयर बेचकर जुटाए जाएंगे। कंपनी के संस्थापक और उनकी पत्नी पुराने शेयर बेचेंगे। कंपनी स आईपीओ से मिले धन का उपयोग मुख्य रूप से कई चुकाने] नई फेक्टरियां और उपकरण लगाने, सलाइड वन मजबूत करने तथा दैनिक खर्चों में करेगी। कंपनी जुटाए पैसे से कई घटाएंगी, नई फेक्टरियां लगाएंगी और कारोबार बढ़ाएंगी। मई 2025 तक मिल्की मिस्ट पर 1,463 करोड़ का कर्ज है, जिसे घटाने की दिशा में यह आईपीओ अहम कदम साबित होगा।

चीन की 3 कंपनियों ने लांच किए अपने फ्लैगशिप फोन



नई दिल्ली। चढ़ा की तीन कपनियों ओप्यो, शाओमी और वीवो ने चीन में अपने पलेगशिय फोन्स लॉन्च कर दिअ है। अने वाले महोनों में, इन फोन्सों का फोकर अल्ट्रा ब्रांड वाले पलेगशिय फोन्स पर रहने की उम्मीद है, जिनमें बड़े डिस्प्ले, बेहतरन कैमरा और प्रीमियम रयसिफिकेशन मिलेंगे। हाल ही में टिफ्टर स्मार्टफोणिकाचु ने ओप्यो फाईड एक्स9 अल्ट्रा के बारे में कुछ नई जानकारी साझा की है, जिसमें सबसे बड़ी बैटरी और कैमरा अपग्रेडेशन की बात सामने आई है। तीक के अनुसार, फाईड एक्स 9अल्ट्रा अपने पिछले अल्ट्रा मॉडलस से बड़ी बैटरी के साथ आणगा। जबकि अभी तक कीक श्मता सामने नहीं आई है। ओप्यो पहले ही का चुका है कि 7000 एमएएच नहीं तो पलेगशिय नहीं, जिसस संकेत मिलता है कि एक्स 9अल्ट्रा में कम से कम 7000 एमएएच की बैटरी हो सकती है। यह शाओमी 17 अल्ट्रा और वीवो एक्स300 अल्ट्रा में मिलत वाली बैटरी से भी बड़ी हो सकती है। डिस्प्ले और कैमरा के मामले में भी एक्स 9अल्ट्रा प्रीमियम होगा। टिफ्टर के मुताबिक इसमें 2के रिजॉल्यूशुन वाला 6.8 इंच की स्क्रीन और आर्ट प्रोटेक्शन सपोर्ट मिलेगा। कैमरा सेटअप क्राइ लेंस का होगा, जिसमें पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरों की जोड़ी शामिल है। दोनों पेरिस्कोप कैमरों को बड़े सेंसर के साथ अपग्रेड किया गया है, जिससे मैक्रो, पोर्ट और जूम मोड में फोटोग्राफी और बेहतर होगी। लॉन्च की संभावित तिथि 2026 की दूसरी तिमाही बताई जा रही है। जब एक्स 9अल्ट्रा के साथ फाईड एक्स9 एस भी पेश किए जा सकते हैं।

विज्ञान

भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने सितंबर में बनाया 1.8 अरब डॉलर का नया रिकॉर्ड

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने इस साल सितंबर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश ने सितंबर 2025 में 1.8 अरब डॉलर के स्मार्टफोन निर्यात किए, जो पिछले साल सितंबर 2024 के 92.3 करोड़ डॉलर की तुलना में लगभग 100 प्रतिशत अधिक है।

एप्पल के आईफोन निर्यात ने संभाली 75 फीसदी हिस्सेदारी

यह अब तक किसी एक महीने में स्मार्टफोन निर्यात की सबसे बड़ी छलांग है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में स्मार्टफोन निर्यात 13.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8.4 अरब डॉलर की तुलना में 60%

प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस वृद्धि एप्पल कंपनी की प्रमुख धूम्रपान रही, जिसने 10 अरब डॉलर से अधिक के आईफोनो निर्यात किए। कुल स्मार्टफोन निर्यात का लगभग 75 प्रतिशत था। एप्पल के दो प्रमुख विनिर्माता साझेदार फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने समान रूप से लगभग 5-5 अरब डॉलर का योगदान दिया। दोनों ही उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत काम कर रहे हैं। टाटा का नवीनतम आईफोन संयंत्र इस साल अग्रेल में होनर में शुरू हुआ। इसके विपरीत

सैमसंग के निर्यात में 17 प्रतिशत की गिरावट** देखी गई, क्योंकि उसकी गिरावट** योजना मार्च 2025 में समाप्त हो गई। स्मार्टफोन निर्यात में इस तेजी ने भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को भी नई ऊँचाई पर ले जाया है। निर्यात वर्ष 2026 की पहली छमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 22.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42% प्रतिशत अधिक है। अब कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 61 प्रतिशत हो गई है।

यामाहा ने सितंबर में बेचे 73,307 यूनिट्स वाहन

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
यामाहा मोटर इंडिया ने सितंबर 2025 कुल 73,307 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल सितंबर 2024 की 66,705 यूनिट्स के मुकाबले 9.90 प्रतिशत ज्यादा है। अगस्त 2025 में बेची गई 60,413 यूनिट्स की तुलना में यह 11.34 प्रतिशत की मजबूत मासिक बढ़त है।
टैक्स सुधारों और त्योहारी सीजन की शुरुआत ने इस उछाल को और बल दिया। बिक्री के आंकड़ों में स्कूटर और प्रीमियम बाइक्स का दबदबा स्पष्ट दिखा। यामाहा रेज़र ने एक बार फिर सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल के रूप में बाजी मारी।



पेसिव म्यूचुअल फंड्स में नए निवेशक ऐक्टिव फंड्स से आगे, गोल्ड, सिल्वर ईटीएफ में आया रि कॉर्ड निवेश

मुंबई। सितंबर में पहली बार नए निवेश
खातों में पैसिव म्यूचुअल फंड योजनाओं की
शुरुआत एविएट इंडिटी फंड्स से अधिक
रही। इस दौरान इंडेक्स फंड और ईटीएफ
में 12 लाख नए खाते खुले, जबकि फंड-
ऑफ-फंड्स को मिलाकर कुल नए खाते
21 लाख तक पहुंच गए। इसके मुकाबले,
एविएट इंडिटी फंड्स में केवल 14 लाख
नए खाते जुड़े। निवेशकों की बढ़ती
दिलचस्पी का मुख्य कारण कीबंदी धातुओं
का तेज उछाल रहा। गोल्ड और सिल्वर
ईटीएफ में नए निवेशकों ने 10 लाख खाते
हुआ, जो अगस्त के 2,190 करोड़ से काफी
5,342 करोड़ रुपये हुआ। आम तौर पर न
इनमें अधिक कमीशन और बेहतर दीर्घकालीन
17.5 करोड़ सक्रिय खातों हैं, जो कुल म्यूचुअल



बाल। गोल्ड ईटीएफ में निवेश 8,151 करोड़ रुपये अधिक है। सिल्वर ईटीएफ में निवेश तीन गुना बढ़कर निवेशक ऐक्टिव इक्विटी फंड्स में जाते हैं, क्योंकि प्रदर्शन मिलता है। वर्तमान में ऐक्टिव फंड्स में नल फंड फोलियो का 70 फीसदी है।

नवंबर में 10 दिन रहेगा बैंकों में अवकाश



मुंबई, २८ अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अक्षर-बर्तन में जहां छुट्टियों की भरमार थी, वहीं नवंबर में ऐसा नहीं था। मुझे महीने में 9 से 10 दिन बँक रहे रहस्य कहे हैं। इसमें रविबार और दूसरा-चौथा शनिबार तो पूरे देश में छुट्टी रहेगी ही, साथ में कुछ खास त्योहारों की वजह से भी कुछ छुट्टाजाने पड़े हैं। डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन सुविधाएं इन छुट्टियों में भी चलती रहेंगी। नवंबर में पहली बैंक हॉलीडे 5 नवंबर को है। इस दिन गुरुणामक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा है। पूरे देश में इस दिन बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 1 नवंबर को बंगलुरु में कन्नड़ राज्योंत्सव और देहरादून में झांझ-बंगाली के वजह से बैंक बंद होंगे। फिर 7

**डिजिटल बैंकिंग और
ऑनलाइन सुविधाएं
इन छुट्टियों में भी
चलती रहेंगी**

नवंबर को शिलांग में बंगाला
महोत्सव के कारण वहां बैंक बंद
होंगे। 18 नवंबर को दूसरा शनिवार
तो पूरे देश में छुट्टी होगी, लेकिन
बंगलूरु में कनकदास जयंती भी है,
तो वहां भी बैंक बंद रहेंगे। इसके
अलावा 2, 9, 16, 23 और 30
नवंबर को रविवार की वजह से पूरे
देश में बैंक बंद रहेंगे। 22 नवंबर को
चौथा शनिवार है, तो उस दिन भी
छुट्टी रहेगी।

1 नवंबर से होगा आधार कार्ड से जुड़े बड़े नियमों में बदलाव

मुंबई। आधार कार्ड स जुड़े नियमों में अगले महीने 1 नवंबर से कुछ बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। अब आपको आधार में अपनी जानकारी अपडेट करने के लिए नामांकन केंद्र जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप घर बैठे ही ऑनलाइन अपने नाम, पता, जन्मतिथि या मोबाइल नंबर जैसी जानकारी बदल सकते हैं। ये सुविधा आधार को और आसान व सुरक्षित बनाने के लिए लाई गई है। साथ ही आधार को पैन कार्ड से जोड़ना भी अब जरूरी हो गया है। अगर आपने पैन नहीं किया, तो आपको पैन कार्ड इमरजेंटिव हो सकता है। आप जो जानकारी देंगे, जैसे नाम या पता, वो सरकार की डैटबेस जैसे पैन, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस या राशन कार्ड से अपने आप चेक हो जायेंगे। इससे अपडेट को प्रोसेस तेज, आसान और सुरक्षित हो जाएगा। जानकारी अपडेट करने के लिए नामांकन केंद्र जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अक्टूबर को टीम ने सुमित और योगेश कुमार को राजस्थान से दबोचा, वहीं बाद में 14 अक्टूबर को गौरव और विवेक कुमार को राजस्थान के अलग-अलग शहरों से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि इनको 2 फीसदी से 10 फीसदी तक कमीशन मिलता था।

देशहित की...

तो हम इसका विरोध करेंगे। राज्य सरकार, राज्य धर्म निभाएगी। हम उम्मीद करते हैं कि चुनाव आयोग गतिरोधित दबाव में ऐसा कुछ नहीं करेगा कि हमें उसका विरोध करना पड़े। निष्ठावान् बंगाल के भाजपा नेता कृष्ण घोष ने कहा कि भाजपा का मानना है कि बंगाल में कोई भी फर्जी या अवैध मतदान नहीं होना चाहिए। ममता बनर्जी की सरकार एसआईआर से इसलिए डर रही है क्योंकि उनके वोटबैंक में रोहिण्या और बंगालादेशी घुसपैठाई शामिल हैं। टीएमसी को डर है कि एसआईआर के बाद अवैध मतदाताओं के नाम मतदान सूची से हट जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रमुख शम्भूदास प्रसादाल ने कहा कि चुनाव की गरिमा बनाए रखना और मतदाता सूची का पुनरीक्षण करना चुनाव आयोग का संवैधानिक कर्तव्य है और हम एसआईआर के दूसरे चरण का स्वागत करते हैं। लेकिन इंडी गठबंधन इसका विरोध कर रहा है, जबकि उन्होंने खुद ही महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव से पहले एसआईआर करने की मांग की है। वे एसआईआर की निशाना साधक अगुने परिवार को बचाना चाहते हैं। भाजपा नेता दिनेश्वरी घोष ने कहा कि देशहित के हर काम का विपक्षी पार्टियों द्वारा विरोध किया जाता है। एसआईआर की प्रक्रिया में किसी भी सही मतदाता का नाम नहीं कटेंगा, लेकिन अंधे और फर्जी मतदाताओं के राज्य को लौटायें। कोई भी बंगालादेशी भाजपा का मतदाता नहीं बन सकेगा। हम उम्मीद करते हैं कि राज्य सरकारें इसमें सहयोग करती और अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी। चुनाव आयोग की घोषणा के मुताबिक विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण में 12 राज्यों का मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम 7 फरवरी 2026 तक पूरा हो जाएगा। यानि 7 फरवरी 2026 को यह मतदाता सूची सामने आ जाएगी। 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा होते ही सोमवार आधी रात से ही इन सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की मतदाता सूचियां फ्रीज कर दी जाएं। फ्रीज की गई सूची के सभी मतदाताओं को बीएलओ विशिष्ट गणना प्रपत्र देना। इन गणना प्रपत्रों में वर्तमान मतदाता सूची के सभी आवश्यक निवरण होंगे। बीएलओ द्वारा मौजूदा मतदाताओं को प्रपत्र वितरित करने के बाद, दिन लॉग के नमूने गणना प्रपत्रों में हैं, वे यह मिलान करने का प्रयास करेंगे कि क्या उनका नाम पिछले एसआईआर की सूची में था। यदि हाँ, तो उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है। वे सिर्फ प्रपत्र भरकर जमा करेंगे। यदि उनके माता-पिता का नाम सूची में था, तब भी उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज नहीं देना। 2002 से 2004 तक के एसआईआर वाली मतदाता सूची आयोगों का वेबसाइट पर कोई भी चुनाव विवाद है और मिलान कर सकता है। सुझावों के निर्देशों का पालन करते हुए, चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर से संबंधित अपने 9 सितंबर के आदेश के अनुसार, आधार कार्ड को 12 दस्तावेजों की सूची में शामिल कर लिया है। आधार पर स्थिति स्पष्ट करते हुए, मुच्छा चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार ने कहा, जहां तक आधार कार्ड का संबंध है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार का उपयोग आधुनिक अर्थनियम के अनुसार किया जाना है। आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार निवास या नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा। अधिनियम के आधार पर यह निर्णय दिया है कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए, आधार प्राधिकरण ने अपनी अधिष्ठाता जारी की और आज भी, यदि आप नया आधार डाउनलोड करते हैं, तो आधार पर ड्रैड्रैक है कि यह न तो जन्मतिथि, न ही निवास या नागरिकता का प्रमाण है। आधार कार्ड पहचान का प्रमाण है और इसका उपयोग ई-हस्ताक्षर के लिए भी किया जा सकता है। बिहार के अनुभव से लाल उताड़े हुए, चुनाव आयोग ने यह भी निर्णय लिया है कि यह स्त्रीय अधिकारों (बीएन-एफओ) फॉर्मों के मिलान और लिंकिंग के लिए अधिकतम तीन बार प्रत्येक आदमी को दोहराएंगे। कुमार ने कहा, यदि मतदाता उपलब्ध नहीं है या मिलान और लिंकिंग में देरी हो रही है, तो बीएलओ को कुल तीन बार घरी का दौरा करेंगे। बीएलओ सिर्फ संबंधित राज्य की नहीं बल्कि देना है। यदि किसी अन्य सूची में नाम पाया गया तब भी उन्हें मतदाता माना जाएगा। मतदाता ऑनलाइन भी फॉर्म भर सकते हैं। यदि उनके नाम, या उनके पिता या माता के नाम, 2003 की सूची में नहीं थे तो ईआरओ 12 दस्तावेजों के आधार पर पात्रता निर्धारित करेगा। आयोग द्वारा तय 12 दस्तावेजों के अलावा यदि किसी के पास अतिरिक्त दस्तावेज हैं तो आयोग उसे भी मान्य करेगा। ईआरओ के फैसले के बाद, यानी अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद भी किसी भी निर्वाचन क्षेत्र का कोई भी मतदाता या निवासी जिला मजिस्ट्रेट के पास अपील कर सकता है और 15 दिनों के भीतर राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के पास अपनी दूसरी अपील भी दायर कर सकता है। चुनाव आयोग ने मतदाता के लिए जरूरी पहलें अभी भी बताईं। इसके अनुसार विविधान की धारा 326 के अनुसार जो भी भारतीय नागरिक है, उसे 18 साल की आयु का

होना, संबंध्य क्षेत्र का निवासी होना, कानून के तहत किसी तरह के मामलों में वांछित नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों को सूची में नाम शामिल कराने का अधिकार है। भीड़भाड़ से बचने के लिए, आयोग ने निर्णय लिया है कि किसी भी मतदाता केंद्र पर 1,200 से ज्यादा मतदाता नहीं जा सकते हैं और सूची इमारतों, कक्षाओं कॉलोनीयों और खुली बसियों में एन मतदाता केंद्र बनाए जाएंगे। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों राजनीतिक दलों के साथ बैठकें करेंगे और उन्हें एकाईसा प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे। बृथ तराई अधिकारी (बीएलओ) फार्मा के मिलान और लिंकिंग के लिए अधिकतम तीन बार घरों का दौरा करेंगे।

वापलओ सिर्फ संबंध्य राज्य ही नहीं बल्कि देश भर के मतदाता सूची की जांच कर यह देखेंगे कि संबंध्य व्यक्ति का नाम कहां और तो नहीं है। यदि किसी अन्य सूची में नाम पाया गया तब भी उन्हें मतदाता माना जाएगा।

असम में बहुविवाह...

सापोंर कले के लिए है, जिसमें हर महीने पैसे दिए जाते हैं। क्लास 11 की स्टूडेंट्स को 1,000 रूपए, कलर ईयर अंडरग्रेजुएट को 1,250 रूपए, और कलर पोस्टग्रेजुएट या बीएड स्टूडेंट्स को 2,500 रूपए मिलेंगे। ये मदद 10 महीनों के लिए है। सीएम सभामें बहस, इस स्कीम की वजह से लड़कियों का एंगरोलमेंट बढ़ गया है और डॉपिआउट रेट पिछले साल से काफी कम हो गया। इस साल कुल 3.5 लाख लड़कियां इससे फायदा उठाएंगी। स्कीम के अच्छे नतीजे दिख रहे हैं, जैसे ज्यादा लड़कियां स्कूल-कॉलेज जा रही हैं। ये एलान पालीगैमी बिल के साथ और। सभामें न कहा कि ये बदलाव समाज को मजबूत बनाएंगे।

आरएसएस की...

एक दिन का समय मांगा। इस पर उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने आदेश पर अंतिम रोक लगा दी। पीठ ने कहा कि इस आदेश से कर्नाटक सरकार संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) और 19 (1)(बी) के तहत मिले अधिकारों को छीन रही है।

टीएमसी नेता...

लेकिन साल 2024 कंपनी को नुकसान हुआ और फरवरी 2025 में तहसीन ने लोगों को पैसे देना बंद कर दिया। 18 अक्टूबर 2025 को तहसीन अहमद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उसी दिन एन गिरफ्तार कर लिया गया। भाइयों ने तहसीन के प्रमुख अफसरों को मालवीय ने कहा, टीएमसी माइनोंगैरटी विंग के प्रेसिडेंट शकील अहमद के बेटे तहसीन अहमद हमसे एक नकली और बिना लाइसेंस वाली कंपनी बनाकर तेल हारा से ज्यादा परिवारों को धोखा दिया है, जिनमें से ज्यादातर पुलिस कम्यूनिटी से हैं। क्या ममान नवाजी की सरकार कार्रवाई करेगी, या अपनी पाटी के लोगों को बचाने के लिए इसे भी दबा दिया जाएगा?

एलएनजी और...

दोनों देश गैस सेक्टर में कोअपरेशन को गहरा करने की तलाश में हैं, जिसमें गैस सप्लाई बढ़ाना शामिल है। अभी रूस भारत को सालाना 3 मिलियन टन एलएनजी देता है, जो पहले से ही अच्छा अमाउंट है, लेकिन इसमें और इजाफा हो सकता है। ये कदम भारत की एनर्जी जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित होगा, क्योंकि भारत तेजी से गैस पर निर्भरता बढ़ा रहा है। रूस के लिए ये एक बड़ा बाजार है, जहां वो अपनी प्रोडक्शन कैपैसिटी का फायदा उठा सकता है।कोयला की डिमांड में भी रूस भारत को प्रथमिकता दे रहा है। सिविलियन ने बताया कि भारत रूसी कोयला का एक बड़ा खरीदार है। उन्होंने कहा, हम कोयला एक्सपोर्ट करने को 2035 तक 40 मिलियन टन तक ले जाना चाहते हैं। ये प्लान रूस के डिट्टी एनर्जी मिनिस्टर दिमित्री इस्लामोव के बयान से मेल खाता है, जिन्होंने बताया था कि रूसी कोयला के मुख्य बाजार चीन, भारत और अफ्रीका हैं। भारत में कोयला की खपत ऊर्जा उत्पादन और इंडस्ट्री के लिए क्रिटिकल है, और रूस इसे सस्ते दामों पर उपलब्ध करा सकता है। 2024 में भारत ने रूस से तीन शिपमेंट के एक बड़ा हिस्सा लिया, जो इस साल भी सप्लाई हाई लेवल पर बनी हुई है। अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद ये पार्टनरशिप मजबूत बनी हुई है, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद है।भारत रूस के एनर्जी सेक्टर के लिए पार्टनर बना हुआ है। सिविलियन ने जो दो देवक कहा कि 2024 में भारत ने रूस के तेल एक्सपोर्ट का बड़ा योग्य लिया, और इस साल भी वैसा ही ट्रेंड चल रहा है। सैंकशंस ने थोड़ा असर डाला, लेकिन ओवरऑल सप्लाई अच्छे मजबूत है। रूस भारत को कोयला के अलावा अन्य फ्यूलस में भी सपोर्ट करने को तैयार है। ये हम सब मिलकर दोनों देशों के बीच एनर्जी ट्रेंड को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। भारत की बढ़ती एनर्जी मांग को देखते हुए रूस का यह प्रस्ताव सकारात्मक समर्थन पर मिला है।

हंस महापुरुष योग से चमकेगी मिथुन और सिंह की किस्मत अन्य राशियों को जमीन-जायदाद से होगा फायदा

आज यानी 29 अक्टूबर 2025, बुधवार को हंस महापुरुष योग बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र में इसे बहुत ही शुभ और शक्तिशाली योग माना जाता है। देव गुरु बृहस्पति के अपनी उच्च राशि में संचार करने से इस योग का निर्माण हो रहा है। इस योग से व्यक्ति को अपार धन लाभ और सुख, समृद्धि प्राप्त होती है। इसका प्रभाव ज्यादातर राशियों के लिए शुभ साबित होगा। मेष राशि वालों को प्रॉपर्टी से लाभ मिलेगा, जबकि वृष राशि के जातकों को यात्रा से लाभ होगा। वहीं, मिथुन राशि वालों के रुके हुए काम पूरे होने से धन की प्राप्ति होती दिख रही है। कर्क राशि को मेहनत का फल मिलेगा। सिंह राशि वालों के पुराने कार्य पूरे होंगे। कन्या राशि के जातकों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और कोई शुभ समाचार मिल सकता है। तुला और वृश्चिक राशि में खर्च बढ़ते दिख रहे हैं।

मेघ : अच्छा मुनाफा होने की संभावना

मेघ राशि के जातकों को आज प्रॉपर्टी से जुड़े कार्यों में लाभ मिलता दिख रहा है। जमीन-जायदाद में निवेश पर अच्छा मुनाफा हो सकता है। सामाजिक स्तर पर आपका मान बढ़ेगा। इस दौरान किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग मिल सकता है। शासन या प्रशासन से जुड़े कार्यों में लाभ मिलने की संभावना है। आज के दिन परिवार का आशीर्वाद प्राप्त होगा। हालांकि शाम के समय परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। अगर किसी यात्रा पर जाने का विचार कर रहे हैं तो अभी उसे टालना ही बेहतर रहेगा।

वृषभ : दांपत्य जीवन मधुर रहेगा

आज का दिन वृषभ राशि वालों को उत्साह और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। राशि स्वामी शुक्र शुभ फल दे रहे हैं, जिससे भाग्य का साथ मिलेगा। कामकाज में सफलता प्राप्त होगी। इस दौरान धन लाभ के योग बन रहे हैं। मकर राशि का चंद्रमा आपकी ऊर्जा को बढ़ाएगा, जिससे आप चुनौतियों का सामना आसानी से कर पाएंगे। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में भी विश्वास बढ़ेगा। शाम के बाद किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बन रहा है जो लाभदायक साबित होगी।

मिथुन : रुका हुआ धन आज वापस मिलेगा

आज आपको अपने व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी बात को बिना सोचे समझे कहना गलतफहमी पैदा कर सकता है। कार्यस्थल पर संयम और धैर्य बनाए रखें। आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल रहेगा। रुका हुए धन के आज वापस मिलने की संभावना है। आज के दिन व्यावसायिक निर्णय थोड़ा सोच-समझकर लें। आज बुद्धि और विवेक आपका साथ देंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। शाम के समय से घर में शुभ कार्य या कोई धार्मिक आयोजन हो सकता है। दोस्तों या रिश्तेदारों से मुलाकात हो सकती है।

कर्क : आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर होगी

कर्क राशि वालों के लिए दिन थोड़ा परेशान करने वाला है। आज परिवार के छोटे सदस्यों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत का सीधा लाभ मिलेगा। हालांकि इस दौरान प्रतिस्पर्धा अधिक रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि अनावश्यक खर्च से बचें। इस दौरान आपके शत्रु सक्रिय रहेंगे लेकिन आपका साहस और कौशल उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाने देगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी और नए संबंध बनने की संभावना है।

सिंह : धन लाभ के मजबूत योग बन रहे

आज का दिन प्रोपेकार और धार्मिक कार्यों में बीतेगा। समाज सेवा से जुड़ी गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। आपके दयालु और नेतृत्व क्षमता की आज सराहना होगी। लंबे समय से लंबित कार्य आज गति पकड़ेंगे और कुछ योजनाएं लाभ देना शुरू करेंगी। धन लाभ के मजबूत योग बन रहे हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। शिक्षा और प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दिन



अनुकूल रहेगा। आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच सफलता की कुंजी बनेगी।

कन्या : धन लाभ के नए अवसर मिलेंगे

कन्या राशि के जातकों का आज भाग्य पूरा साथ देगा। इस दौरान लंबे समय से चली आ रही परेशानियां भी दूर होंगी। आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा और किसी पुरानी बीमारी से छुटकारा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी सूझबूझ और कार्यकुशलता की प्रशंसा होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। वाणी में संयम रखें क्योंकि जल्दबाजी में दिया गया बयान विवाद पैदा कर सकता है। धन लाभ के नए अवसर मिलेंगे।

तुला : करियर में परिवर्तन की संभावना

तुला राशि वालों के लिए आज शिक्षा और ज्ञान में उन्नति का दिन है। नई स्किल सीखने के लिए अच्छा दिन है। करियर में परिवर्तन के अवसर मिलते हुए दिख रहे हैं। ये परिवर्तन आपके भविष्य के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती

कदम पर साथ मिलेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परिवार में पूजा-पाठ का आयोजन हो सकता है। आर्थिक रूप से समय आपके लिए अनुकूल रहने वाला है।

मकर : ज्योतिष की ओर आपका रुझान बढ़ेगा

मकर राशि के जातकों के लिए आज धन लाभ के शुभ योग बन रहे हैं। पूर्वजों की वित्तीय से लाभ मिलने की संभावना है। किसी पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। ज्योतिष की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास से बचें और अनावश्यक बहस से दूर रहें। दूसरों को बिना मांगे सलाह देना आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। शाम के बाद मन शांत रहेगा और परिवार के साथ समय बिताने से प्रसन्नता मिलेगी।

कुंभ : पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है

आज आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं। कुंभ राशि के लोगों की योजनाएं आज सफल होंगी और व्यापार में लाभ मिलेगा। नए लोगों से जुड़ाव फायदेमंद साबित होगा। मित्रों और सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस दौरान प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। भाग्य आपके पक्ष में है, इसलिए नए कार्यों की शुरुआत के लिए दिन शुभ रहेगा।

मीन : दांपत्य जीवन मजबूत होगा

आज आपकी संपत्ति और धन में वृद्धि के शुभ संकेत नजर आ रहे हैं। मीन राशि वालों को आज ननिहाल पक्ष से सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी का साथ और समर्थन मिलेगा, जिससे दांपत्य जीवन मजबूत होगा। नौकरीपेशा लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। इस दौरान ऑफिस में कुछ लोग आपकी प्रगति से ईर्ष्या कर सकते हैं और चुगली कर सकते हैं। ऐसे में संयम बनाए रखें और शांत रहें। धार्मिक

नवंबर में ग्रहों का दुर्लभ संयोग, एक साथ तीन राजयोग बनाएंगे कर्क, तुला और वृश्चिक समेत अन्य राशियों को मालामाल

नवंबर महीने में ग्रहों का बेहद ही शुभ संयोग बन रहा है। दरअसल नवंबर महीने में एक साथ तीन राजयोग का प्रभाव देखने को मिलेगा। नवंबर महीने की शुरुआत में मालव्य राजयोग, हंस राजयोग और रूचक राजयोग का शुभ संयोग बन रहा है। दरअसल, मंगल के अपनी स्वराशि वृश्चिक में गोचर करने से रूचक राजयोग का निर्माण हुआ है। जबकि गुरु के अपनी उच्च राशि कर्क में गोचर करने से हंस राजयोग का निर्माण हुआ है। इसी के साथ नवंबर महीने की शुरुआत में यानी 2 नवंबर को शुक्र अपनी स्वराशि तुला में गोचर करने से मालव्य राजयोग बनेगा। जबकि महीने के मध्य में शुक्र मंगल की युति से आदित्य मंगल योग बनेगा। जबकि महीने के अंतिम दिनों में बुध और शुक्र की युति तुला राशि में होने से लक्ष्मी नारायण योग का भी शुभ संयोग बनने जा रहा है। ऐसे में नवंबर के महीने में ग्रहों के इस शुभ संयोग से कर्क, वृश्चिक सहित 6 राशियों को लाभ के साथ साथ बड़ी उपलब्धियां भी मिल सकती हैं।

वृषभ : आय के अलग स्रोत बनेंगे

आपकी राशि से 7वें भाव में रूचक राजयोग का निर्माण होने जा रहा है। ऐसे में वृषभ राशि के लोगों के अंदर एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिलेगी। ऐसे में आपको विभिन्न क्षेत्रों में सफलता मिलने की संभावनाएं हैं। आपका व्यक्तित्व पहले से काफी शक्तिशाली और आप खुद को बहुत ही ऊर्जवान महसूस करेंगे। इस अवधि में आप अपनी ऊर्जा को मेहनत के बल पर आय के अलग स्रोत भी बनाने में कामयाब रहेंगे। साथ ही व्यापारी वर्ग के जातक सामाजिक स्तर पर एक अलग पहचान बनाने में



सफल रहेंगे।

कर्क : सामाजिक स्तर पर नई पहचान मिलेगी

कर्क राशि में जातकों को नवंबर के महीने में कोई बड़ी सफलता मिलने की संभावनाएं दिखाई दे रही है। दरअसल, आपकी राशि में गुरु के रहने से हंस राजयोग का निर्माण हुआ है। ऐसे में कर्क राशि के जातकों को लाभ के साथ साथ उन्नति मिलने की भी संभावनाएं हैं। साथ ही हंस राजयोग के प्रभाव से आपको सामाजिक स्तर पर नई पहचान मिल सकती है। साथ ही आपकी धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप धर्म कर्म के कार्यों में काफी पैसा खर्च कर सकते हैं जिससे मन को सुकून मिलेगा।

तुला : परीक्षा प्रतियोगिता में मिलेगी सफलता

तुला राशि के जातकों को इस महीने लक्ष्मी नारायण राजयोग से ऐसे में तुला राशि के लोगों को नवंबर के इस महीने में आपको पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है। साथ ही आप इस महीने वाहन या संपत्ति का सुख हासिल कर सकते हैं। वहीं, इस

राशि के जो लोग परीक्षा प्रतियोगिता की तैयारी में जुड़े हैं तो उन्हें कोई सफलता मिल सकती है। बात करें करियर की तो इस महीने आप किसी नए काम की योजना बना सकते हैं। व्यापारी वर्ग के लोगों को कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक : जीवन में रहेगी खुशहाली

वृश्चिक राशि के जातकों को नवंबर के महीने में रूचक राजयोग का विशेष लाभ मिलने वाला है। मंगल के प्रभाव से आपके अंदर एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिलेगी। इस महीने मंगल आपको पद, प्रतिष्ठा और मान सम्मान दिलाएंगे। कार्यस्थल पर आप अपनी एक अलग छाप छोड़ने में कामयाब रहेंगे। साथ ही वैवाहिक जीवन में भी खुशहाली बनी रहेगी। इस अवधि में आपको अपनी पुरानी सभी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। आप शारीरिक रूप से खुद को काफी मजबूत महसूस करेंगे।

मकर : धन और सम्मान मिलेगा

मकर राशि से सातवें भाव में हंस राजयोग का निर्माण हो रहा है। ऐसे में मकर राशि के लोगों के लिए नवंबर का महीना बहुत ही शुभ साबित होगा। आपको इस महीने करियर में नई उपलब्धियां और नए अवसर मिलने के आसार हैं। लव लाइफ के लिए भी महीने बहुत ही रोमांटिक रहने वाला है। आपको अपने पार्टनर से पूरा साथ मिलेगा। उनका साथ मिलने से आप सभी काम आसानी से पूरे कर लेंगे। आपके धन और सम्मान में वृद्धि होने के योग हैं। सामाजिक स्तर पर आपकी एक अलग ही पहचान बनेगी।

5 नवंबर को मनाई जाएगी देव दीपावली जानें सही डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि



हिंंदू धर्म में दीपावली के साथ-साथ देव दिवाली का भी विशेष महत्व है। इस त्योहार को देवताओं की दीपावली के रूप में मनाया जाता है। दीवाली के ठीक 15 दिन बाद देव दीवाली का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन ही भगवान शिव ने त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया था। इस दिन सभी देवता काशी में उतरते हैं और दीवाली मनाते हैं। कहते हैं कि इस भगवान शिव की पूजा, गंगा में स्नान और दीप दान करने से हर इच्छा पूरी होती है और मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

देव दीपावली तिथि

हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को देव दीपावली मनाई जाती है। पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि 4 नवंबर, मंगलवार को रात 10 बजकर 36 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 5 नवंबर, बुधवार को शाम 06 बजकर 48 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में इस साल देव दीपावली का त्योहार 5 नवंबर को मनाया जाएगा।

देव दीपावली दिपदान का महत्व

देव दीपावली के दिन दीप दान का विशेष महत्व होता है। इस दिन सबसे पहले घर के मंदिर में दीपक जलाकर

भगवान का आशीर्वाद लें। इसके बाद भगवान विष्णु और भगवान शिव के मंदिर में दीप जलाएं। इस दिन पवित्र नदियों के किनारे दीपदान करना अत्यंत पुण्य दायी माना गया है। इसके बाद अपने गुरु या किसी ब्राह्मण के घर दीप जलाने से ज्ञान और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पूर्णिमा तिथि पर पीपल वृक्ष के नीचे दीपक जलाना भी बहुत शुभ माना जाता है।

देव दिवाली पूजा विधि

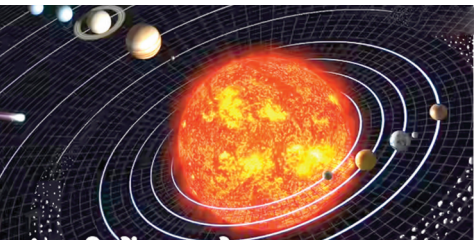
पूजा करने से पहले गंगा नदी या किसी पवित्र जल में स्नान करें। स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूजा स्थल को अच्छे से साफ कर लें। घर के मंदिर या आंगन में दीप जलाएं। भगवान शिव और गंगा माता की पूजा करें। शिवलिंग पर जल, दूध, और बेल पत्र अर्पित करें। इसके बाद भगवान शिव की आरती करें। मां गंगा को दीप अर्पित करें और आरती करें। भगवान विष्णु को तुलसी के पत्ते अर्पित करें। भगवान विष्णु की आरती करें और मंत्र का जाप करें। भगवान शिव, मां गंगा और भगवान विष्णु को भोग अर्पित करें।

जब ग्रह होते हैं निर्बल तो इस प्रकार देते हैं कष्ट

सूर्य ग्रह से प्राप्त कष्ट - सूर्य ग्रह आग का गोला है, अतः प्राणियों के शरीर के तात्क्रम अर्थात् जटराग्रि को शीघ्र ही प्रभावित करता है। सूर्य के बलहीन होने पर व्यक्ति मन्दाग्रि, ज्वर, क्षय, अतिसार रोगों से ग्रसित होता है, राजकीय सेवा से युक्त लोगों के साथ विरोध का कारण सिद्ध होता है।

चन्द्रमा से प्राप्त कष्ट - चन्द्रमा जलतत्व प्रधान है, जिसके कारण चन्द्रमा के निर्बल होने पर जल से भय रहता है, मानसिक कष्ट प्राप्त करता है, अशांत रहता है, अनिर्णय की स्थिति, मन में स्थिरता का अभाव रहता है।

मंगल ग्रह से प्राप्त कष्ट - मंगल ग्रह के अनिष्टकारी होने पर व्यक्ति को आग से खतरा रहता है। चोट- चपेट, दुर्घटनाओं की सम्भावनाएं बढ़ जाती हैं, उग्र स्वभाव, चिढ़चिढ़ापन और अत्यधिक क्रोध जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण वैवाहिक जीवन में तनाव, रिश्तों में झगड़े और कानूनी मामलों में उलझन की सम्भावनाएं होती हैं।



बुध ग्रह से प्राप्त कष्ट - बुध ग्रह जन्मपत्री में कमजोर होने की स्थिति में व्यक्ति की याददाश्त को कमजोर करता है, ऐसे व्यक्ति को चीजें समझने में अधिक समय लगता है तथा निर्णय लेने की शक्ति भी कमजोर होती है।

गुरु ग्रह से प्राप्त कष्ट - गुरु ग्रह के अनिष्टकारी स्थिति में होने पर लिवर सम्बन्धित रोग, अपने से बड़े, श्रेष्ठ लोगों द्वारा रुठ होने की सम्भावनाएं बनती हैं। विवाह में विलम्ब, सामाजिक सम्मान एवं सौभाग्य में कमी आती है।

शुक्र ग्रह से प्राप्त कष्ट - शुक्र ग्रह कमजोर होता है, तो इसके कारण प्रेम संबंधों, वैवाहिक जीवन, शारीरिक सुंदरता और भौतिक सुख-सुविधाओं में

कमी जैसी समस्याएं आ सकती हैं, प्रजनन सम्बन्धित समस्याएं आ सकती हैं। शुक्र ग्रह के अनिष्टकारी होने पर जीवनसाथी से विरोध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

शनि ग्रह से प्राप्त कष्ट - शनि ग्रह के अनिष्टकारी स्थिति में होने पर जीवन में संघर्ष और मुश्किलें आती हैं। शनि हड्डियों, नसों, जोड़ों और तंत्रिका तंत्र से जुड़ा है, अतः इनसे संबंधित रोग उभर सकते हैं, सफलता में विलंब, मानसिक दबाव और कर्मफल की कठोर परीक्षा शनिदेव लेते हैं।

छाया ग्रह राहु से प्राप्त कष्ट - छाया ग्रह राहु खराब होने पर व्यक्ति को कई तरह की शारीरिक और मानसिक परेशानियां होती हैं, जैसे माइग्रेन, मानसिक तनाव, भ्रम और निर्णय लेने में कठिनाई इत्यादि।

छाया ग्रह केतु से प्राप्त कष्ट - छाया ग्रह केतु के खराब होने पर व्यक्ति अकेलापन महसूस करता है, रिश्तों में तनाव, आकस्मिक चोट की सम्भावनाएं, संतान से कष्ट आदि सम्भावित हैं।

पाप का घड़ा जब भर जाता है तब क्या होता है

प्रत्येक कर्म, चाहे शुभ हो या अशुभ, सूक्ष्म जगत में एक कंपन उत्पन्न करता है। यह कंपन ग्रहों की चाल से जुड़ जाता है और समय के अनुसार फल देता है। जब तक मनुष्य का पाप सीमित होता है, तब तक ग्रह उसकी चेतना को सुधारने के संकेत देते हैं। परंतु जब मनुष्य चेतावनियों को अनसुना कर देता है, तब प्रकृति हस्तक्षेप करती है। यही वह क्षण होता है जिसे कहावत के रूप में कहा जाता है कि, पाप का घड़ा भर गया। कर्म सिद्धांत के अनुसार हर कर्म का फल होता है, चाहे वह शुभ हो या अशुभ। जब व्यक्ति बार-बार गलत कर्म करता है, तो उसकी कर्म ऊर्जा एक घड़े की तरह जमा होती जाती है। जब वह सीमा पार कर जाती है, तो अचानक सब कुछ बिगड़ने लगता है, अपमान, हानि, बीमारी या दुःख के रूप में परिणाम सामने आता है। इसे ही लोग कहते हैं, अब उसके पापों का फल मिल रहा है।

धर्म और पुराणों के अनुसार जब पाप का घड़ा भर जाता है, तब ईश्वर की न्याय व्यवस्था सक्रिय हो जाती है। जैसे रावण, कंस, दुर्योधन, जब उनके अत्याचार सीमा पार कर गए, तो उन्हें अपने कर्मों का परिणाम उसी जीवन में भुगतना पड़ा। ग्रह देते हैं चेतावनी, उपाय बदल देती है जीवन की



दिशा - शनि की साढ़ेसाती, राहु-केतु के गोचर या अशुभ दशाएं, ये सभी मनुष्य को चेतावनी होती हैं कि अभी समय है, अपने कर्म की दिशा को बदलने की जरूरत है, नेक कर्म को बढ़ाएं ताकि पुण्य बल से अशुभ की अशुभता को कम किया जा सके। यदि पाप का घड़ा भरने से पहले मनुष्य जाग जाए, तो काल का प्रकोप रुक सकता है। दान, सेवा, प्रायश्चित्त, गुरु-स्मरण और ईश्वर की आराधना, ये वे उपाय हैं जो कर्मों की दिशा बदल देते हैं। ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से ज्योतिषी आने वाले संकटों को जानकर व्यक्ति से शुभ कर्म सम्पादित करवाकर शूल की पीड़ा को सुई की पीड़ा में बदलने का कार्य करता है।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री कशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफ: लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।



जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत में ही करती

थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने 'शीला की जवानी' से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना

है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया।

अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्नस एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया।

उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूँ कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, 'मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूँ।' मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

जैकी चैन और ऋतिक रोशन की मुलाकात कुंग फू फाइटिंग गाना किया समर्पित



बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अमेरिका के बेवर्ली हिल्स में छुटियां मना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पसंदीदा एक्शन आइकॉन, हॉलीवुड के मशहूर स्टार जैकी चैन से मुलाकात की। ऋतिक ने इस मुलाकात का अनुभव अपने फैंस संग शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों और कैप्शन में इस मुलाकात की जानकारी दी। सोमवार को ऋतिक ने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर जैकी चैन के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में दोनों कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते दिख रहे हैं। फोटो के बैकग्राउंड ऑडियो के तौर पर ऋतिक ने 'कुंग फू फाइटिंग' गाना लगाया। इस गाने को ऋतिक ने जैकी चैन को उनके मार्शल आर्ट्स करियर के लिए समर्पित किया है। कैप्शन में ऋतिक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, "आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा सर, मेरी टूटी हड्डियां आपकी टूटी हड्डियों को याद करती हैं।"

बता दें कि ऋतिक अमेरिका में अपनी गर्लफ्रेंड सबा के साथ कालिटी टाइम बिता रहे हैं। 26 अक्टूबर को उन्होंने कुछ रोमांटिक तस्वीरें साझा की थी, जिसमें दोनों एक साथ मौसम का लुत्फ उठाते हुए नजर आए थे। इन तस्वीरों में ऋतिक और सबा एक-दूसरे को गले लगाते हुए दिखें। दोनों ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'सर्दियों में सैर से बेहतर कुछ नहीं।'

ऋतिक रोशन अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चाओं में हैं। वह जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू करने जा रहे हैं। उनका पहला प्रोजेक्ट एक थ्रिलर शो 'स्टॉर्म' है, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा और मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। इस शो के निर्माता और निर्देशक अजीतपाल सिंह हैं, जिन्होंने पहले 'टब्बर' जैसी वेब सीरीज और 'फायर इन द माउंटेंस' जैसी फिल्म बनाई हैं। शो की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है और फैंस को इसके लिए काफी उत्सुकता है।

13 साल बाद भारत आए पॉप स्टार एनरिक इग्लेसियस, बोले

वापसी हमेशा प्राथमिकता थी

फेमस पॉप स्टार एनरिक इग्लेसियस 13 साल बाद भारत आए हैं। वह मुंबई में 29 और 30 अक्टूबर को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में कॉन्सर्ट करेंगे। उनके इस टूर को लेकर भारतीय फैंस भी काफी उत्साहित हैं, इससे बहुत से लोगों की यादें ताजा हो गई हैं, जो गायक एनरिक इग्लेसियस के गाने एमपी3 प्लेयर या फिर कैसेट पर सुनते थे। इग्लेसियस पहली बार 2004 में भारत आए थे, और फिर 2012 में उनका टूर था। अब वह फिर से यहां के लोगों के सामने परफॉर्म करने के लिए तैयार हैं। इग्लेसियस ने आईएएनएस को दिए एक खास इंटरव्यू में बताया कि भारत का टूर उनकी प्राथमिकता में था। इग्लेसियस ने आईएएनएस से कहा, कोई ब्रेक नहीं था, बस नए एल्बम और दूसरे देशों के टूर में समय लग जाता है। लेकिन भारत लौटना हमेशा से मेरी पहली पसंद रही है और मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता।

इग्लेसियस को किंग ऑफ लैटिन पॉप भी कहा जाता है। वैश्विक संगीत जगत में भारत की महत्वपूर्ण स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ऐसा होना ही था और मैं इससे अधिक खुश नहीं हो



सकता। भारत में संगीत के अद्भुत प्रशंसक हैं। उनके मन में संगीत के लिए बहुत सम्मान और प्रशंसा है। मैं यह भी बताना चाहता हूँ कि जब भी मैं भारत में परफॉर्म करता हूँ तो फैंस की प्रतिक्रिया बहुत ही अनोखी होती है। उनकी ऊर्जा अद्भुत होती है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह कभी भारतीय कलाकारों के साथ सहयोग करने या अपने संगीत में भारतीय आवाज को शामिल करने पर विचार करेंगे, इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं हमेशा नए विचारों के लिए खुला रहता हूँ और आप कह नहीं सकते कि यह कभी भी उनके साथ हो सकता है। भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोकगीत, इंडी और बॉलीवुड संगीत की एक बहुत बड़ी विरासत है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इसे सुनते हैं या किसी धुन ने उनको प्रभावित किया, तो उन्होंने कहा, हर दिन मैं जो कुछ भी सुनता हूँ, उससे कुछ हद तक प्रभावित होता हूँ।



अर्वशी रौतेला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें ग्लोबल फैशन आइकन क्यों कहा जाता है। प्रतिष्ठित ELLE ब्यूटी अवॉर्ड्स में उन्होंने DSH द्वारा तैयार किया गया 52 लाख का शानदार कस्टम परिधान पहनकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ग्लोबल सुपरस्टार गॉडिस के नाम से मशहूर उर्वशी ने रेड कार्पेट पर ग्लैमर, आत्मविश्वास और हाई-फैशन की ऐसी झलक दिखाई जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आउटफिट बेहतरीन डिटेल्स और अंतरराष्ट्रीय कुट्योर की बारीकी के साथ तैयार किया गया था, जिसने उर्वशी की आकर्षक काया को और निखारा और उनकी भव्य शक्तियत को बखूबी पूरा किया। हाथ से की गई एम्बेलिशमेंट से लेकर कुट्योर सिल्हट तक-पोशाक का हर हिस्सा लकज़री, कला और शाही अंदाज़ का प्रतीक था।

जैसे ही वह सहज और गरिमामय अंदाज़ में समारोह में पहुँचीं, दर्शकों की नज़रें उन पर थम गईं। इस लुक को खास बनाने वाली सिर्फ इसकी कीमत नहीं थी, बल्कि जिस अंदाज़ में उर्वशी ने इसे कैरी किया- वह था असली आकर्षण। उन्होंने अपनी सिप्रेचर ग्लैम लुक के साथ-मिनिमल लेकिन दमकता मेकअप, स्लीक स्टाइलिंग और गज़ब का आत्मविश्वास-पूरे रेड कार्पेट पर राज किया। DSH की इस लकज़री कृति में उर्वशी की मौजूदगी ने न सिर्फ रात के फैशन स्तर को ऊँचा उठाया बल्कि यह भी साबित कर दिया कि वह वैश्विक मंच पर सबसे अधिक सराही जाने वाली स्टाइल आइकन में से एक हैं। उनका लुक कुट्योर क्राफ्ट्समैनशिप और सुपरस्टार करिश्मे का एक परफेक्ट संगम था-एक ऐसा पल जिसे कैमरों की फ्लैश बंद होने के बाद भी लंबे समय तक याद रखा जाएगा।



'थामा' में अपने किरदार को लेकर बोलीं रश्मिका मंदाना, कहा

मेरे लिए वैंपायर बनना बिल्कुल अलग अनुभव

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'थामा' की सफलता का लुत्फ उठा रही है। इस फिल्म में उन्होंने वैंपायर का किरदार निभाया। आईएनएस से बात करते हुए उन्होंने फिल्म में काम के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनके लिए यह किरदार कितना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि 'थामा' का अनुभव उनके लिए रचनात्मक रूप से बहुत रोमांचक था। वैंपायर का किरदार उनके लिए पूरी तरह से नया है, क्योंकि अब तक उन्होंने अपने करियर में ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया था। उन्होंने कहा, "मेरे लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था। मुझे नहीं पता था कि वैंपायर या बेताल जैसे प्राणी का किरदार कैसे निभाया जाता है। यह भूमिका मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण और जटिल थी।" उन्होंने इस अनुभव को दिलचस्प कारा देते हुए कहा, "इस तरह के किरदारों के साथ काम मेरे लिए हमेशा नई चीजें सीखने जैसा होता है। सामान्य किरदार निभाना भी एक तरह का आनंद देता है, लेकिन जब कोई बिल्कुल अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलता है, तो यह अनुभव एक अलग ही तरह का उत्साह देता है।" अभिनेत्री ने

कहा, "मुझे इस किरदार में खुद को बदलने की पूरी प्रक्रिया बेहद आकर्षक लगी। जब कोई कलाकार किसी सामान्य किरदार में काम करता है, तो उसका आनंद अलग होता है, लेकिन किसी अलग प्राणी का किरदार निभाना उसे एक नए तरह का उत्साह और खुशी देता है।" रश्मिका ने अपने प्रोड्यूसर अमर कौशिक और निर्देशक आदित्य सरपोतदार का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, "इस नए और चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाने में उनका मार्गदर्शन और समर्थन बहुत महत्वपूर्ण रहा।" रश्मिका ने खुलासा किया कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए बिल्कुल जीरो से शुरुआत की। उनका कहना था कि उन्हें इस तरह के किसी किरदार का कोई अनुभव या उदाहरण नहीं था, इसलिए उन्होंने पूरी तरह से निर्देशक और प्रोड्यूसर के मार्गदर्शन पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि उन्हें बिल्कुल नहीं पता था कि क्या करना है, कैसे करना है और कितनी मेहनत करनी है, लेकिन उनके निर्देशन और सहयोग के कारण यह संभव हो पाया। बता दें कि 'थामा' में रश्मिका मंदाना के साथ आयुष्मान खुराना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी लीड रोल में हैं।

मधुरिमा तुली ने डेनिम-ऑन-डेनिम लुक और बोल्ड रेड हील्स के साथ दी स्टाइल की नई परिभाषा

मधुरिमा तुली ने एक बार फिर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के साथ सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अपने हालिया फ़ोटोशूट में उन्होंने क्लासिक डेनिम-ऑन-डेनिम ट्रेंड को एक मॉडर्न और फ्रेश अंदाज़ में पेश किया। स्क्रीन पर अपनी दमदार मौजूदगी और स्टाइलिश व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली मधुरिमा ने साबित किया कि सही स्टाइलिंग के साथ डेनिम जैसे सदाबहार फैब्रिक भी एक प्रभावशाली बयान दे सकते हैं। फ़ोटोशूट में मधुरिमा ने हल्के वांश वाला डेनिम जैकेट और उसी के साथ मैचिंग जींस पहनी है, जिससे एक कोऑर्डिनेटेड लुक बनता है जो एक साथ ही आरामदायक और हाई-फैशन लगता है। अंदर उन्होंने एक साफ़-सुथरा स्फ़ेद टॉप पहना है, जो डेनिम के गहरे टोन के साथ सुंदर कंट्रास्ट बनाता है और उनके आउटफिट की लेयरिंग को और भी निखारता है। स्फ़ेद रंग का यह टच लुक में ताज़गी और संतुलन लाता है। लेकिन इस पूरे लुक की असली शोस्टॉपर हैं उनकी स्ट्राइकिंग रेड हील्स - एक ऐसा बोल्ड एक्सेसरी जिसने इस कैजुअल डेनिम एम्बलेंस को तुरंत स्टेटमेंट लुक में बदल दिया। म्यूटेड डेनिम ब्लूज़ के बीच लाल रंग की यह चमकदार झलक एक विजुअल बैलेंस बनाती है जो साहसिक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी है। यह इस बात की याद दिलाती है कि एक सही चुना गया एक्सेसरी पूरे आउटफिट का टोन बदल सकता है।

मधुरिमा ने अपने लुक के बाकी हिस्से को काफ़ी मिनिमल रखा - ताकि उनका आउटफिट और उनका आत्मविश्वास खुद बात करें। सॉफ़्ट नैचुरल मेकअप और खुले वॉल्यूमस बालों

के साथ उन्होंने इस लुक को बेहद सहजता और एलेगेंस के साथ कैरी किया। कम ज्वेलरी पहनकर उन्होंने साबित किया कि ग्लैमर हमेशा ओवरडो नहीं होना चाहिए - सादगी भी प्रभावशाली हो सकती है।

अपने लुक के बारे में बात करते हुए मधुरिमा ने कहा, मुझे ऐसे आउटफिट पसंद हैं जो सिंपल हों लेकिन पावरफुल - डेनिम हमेशा से मुझे कॉन्फिडेंस जैसा लगता है। यह बात बिल्कुल दर्शाती है कि उनका फैशन सेंस कितना अंडरस्टेटेड, प्रभावी और पर्सनैलिटी से भरा हुआ है। इस लुक की खासियत यह भी है कि यह उनकी असली स्टाइल पर्सनैलिटी को दर्शाता है - एलीगेंट लेकिन इफ़र्टलेस, फैशनबल लेकिन ओवरडोन नहीं। चाहे रेड कार्पेट हो, कैजुअल आउटिंग या एक क्यूरेटेड शूट, मधुरिमा हर फ़्रेम में अपनी पहचान छोड़ती हैं।

डेनिम-ऑन-डेनिम स्टाइल के साथ बोल्ड रेड हील्स और उनकी नैचुरल चार्म ने एक बार फिर साबित किया कि सच में स्टाइल वही है जिसमें हो आत्मविश्वास, आराम और थोड़ा सा बेखोफ़ अंदाज़।



आज का राशिकफल

शुभ — चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप पैसा बना सकते हैं, बसों आप अपनी जमा-पूंजी पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के जरिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहूर्त और रोमांस आपको खुशगिनाना रखेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ाने का यह बढ़िया मौका है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला-बुरा कह सकते हैं।

वृषभ — इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपके भाई-बहन आपके आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व असाह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, धार, परिवार से दूर होकर आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन — क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

दोस्त आपको परिवार किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेंगे। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने नयशुदा बटन से दूर न जाएं। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके फिय से आपकी नॉक-झोंक हो सकती है। गण्यवाजी और अफवाहों से दूर रहें। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरूरत है।

कर्क — ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपकी लगन और मेहनत पर लोग गौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपको ख़ास चारों ओर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा। मुहूर्त के मोचे पर आज आपकी तूती बोलेंगी, क्योंकि आपका महसूस आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनने के लिए तैयार है। शहीशुदा जिनगी के मोचे पर हालात वाकई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरे हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेट में जल डालना आज आपको सुखद मिलेगा। जीवन को आज आप नज़दीक से जान पाएंगे।

सिंह — म,मी,मू,मै,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शहीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा ख़ासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबसे ध्यान का केन्द्र होंगे। भाव्य है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शांति में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

कन्या — टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

यदि शहीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष खयाल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्मेदवार वक्त आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला — र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तब समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुन, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

वृश्चिक — तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन-साथी का प्यार बर्तान आपका दिन खुशनुमा बना सकता है। आज किसी बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कामाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफी खुशी महसूस करेंगे। आज आप खुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से परेशान होगा या सहाज जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु — ये,यो,भ,मी,भू,धा,का,ढा,भे

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकावट और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्य-क्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी आपकी फ़ैसले के काम को पूरा करने में ही लगनेगा।

मकर — भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्थिर और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहंकोर ढेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं— लेकिन आज अपने खूबियों को बहुत ज्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर काबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं।

कुम्भ — गु,गो,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका खयाल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित वक्त कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई-मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए खुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज्यादा उतावले न हों कि आज आप क्या महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के खराब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सज़ाइन डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकावट मिट जाएगी।

मीन — दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को खुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप खुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 अक्टूबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 09:24 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा सार्यं 05:30 तक
योग : धृति प्रातः 07:50 तक
करण : वणिज प्रातः 09:24 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:54 (बंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:38 (विजयवाडा)
शुभ वौधड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : निम्नी खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 09:24 से रात्रि 09:51 तक , सहस्रार्जुन जयंती , कार्तिक मासे दीप-दानम् विधिः
* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिळू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पाठपाठन, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फ़क़ड़ का मन्दिर, रिकारबाग, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हाइटेशन लाइन से बस टकराई, आग और सिलेंडर ब्लास्ट में तीन की मौत, 10 से ज्यादा घायल

जयपुर,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर जिले के मनो-हरपुर इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब मजदूरों से भरी एक बस हाइटेशन बिजली लाइन की चपेट में आ गई। बस में करंट फैलने के साथ ही भीषण आग लग गई और ऊपर रखे गैस सिलेंडरों में धमाका हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह हादसा जयपुर शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर क्षेत्र में हुआ। बस में सवार सभी लोग उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के रहने वाले मजदूर थे, जो यहां टोटी स्थित ईंट भट्टे पर काम करने आए थे। बस जैसे ही भट्टे से कुछ सौ मीटर पहले पहुंची, अचानक ऊपर की हाइटेशन लाइन से संपर्क हो गया। कुछ ही सेकंड में करंट ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस के ऊपर 5 से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर रखे हुए थे। करंट लगते ही उनमें से एक में तेज धमाके के साथ विस्फोट हुआ और

देखते ही देखते आग ने पूरी बस को घेर लिया। ग्रामीणों ने बताया कि बस में आग लगते ही कई धमाकों की आवाजें आईं। अंदर फंसे लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक आग इतनी भयंकर हो चुकी थी कि बस का ढांचा पूरी तरह जल गया। जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने बताया कि बस में कुल 65 मजदूर सवार थे। हादसे में तीन की मौत हुई, जिनमें नसीम (50 वर्ष) पुत्र अली हुसैन और सहीनम (20 वर्ष) पुत्री नसीम शामिल हैं। तीसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।गंभीर रूप से घायल 5 लोगों को एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर रेफर किया गया है, जहां बर्न यूनिट की पूरी टीम अलर्ट मोड पर है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया- जब बस में आग लगी तो कई लोग अंदर फंसे रह गए। कुछ ने खिड़कियां तोड़कर जान बचाई। फायर ब्रिगेड के आने तक हम बाल्टियों और पाइप से आग बुझाने हुए थे। करंट लगते ही उनमें से एक में तेज धमाके के साथ विस्फोट हुआ और



हमने कई बार अधिकारियों से इन हाइटेशन तारों को हटाने की मांग की थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। आज इसकी कीमत तीन लोगों की जान से चुकानी पड़ी। यह इलाका मजदूरों और ईंट भट्टों से भरा हुआ है, जहां ऊपर से गुजरती हाइटेशन लाइनें बार-बार खतरा पैदा करती हैं। स्थानीय लोग लंबे समय से शिकायत कर रहे हैं कि ये लाइनें निचले स्तर पर हैं, जिससे हादसे की आशंका

हादसा बताता है कि जमीनी स्तर पर सुधार नगण्य है।ग्रामीणों के मुताबिक, हाइटेशन तारों की ऊंचाई नियमानुसार नहीं रखी गई थी। इस पर विद्युत विभाग की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कई बार चेतावनी देने के बावजूद कार्रवाई न होना प्रशासनिक उदासीनता का उदाहरण है। कलेक्टर ने बताया कि सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। एसएमएस हॉस्पिटल प्रशासन के अनुसार, घायलों का इलाज मुफ्त में किया जा रहा है और बर्न यूनिट में विशेष निगरानी टीम तैनात है।जयपुर का यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाही और व्यवस्था की विफलता की कहानी है। जब तक प्रशासनिक एजेंसियां सुरक्षा मानकों को गंभीरता से नहीं लेंगी, तब तक ऐसे हादसे बार-बार देशभर में दोहराए जाते रहेंगे। तीन मजदूरों की मौत के साथ यह सवाल एक बार फिर गुंज उठा है - आखिर कब तक सड़कें और सिस्टम ऐसे चलते-फिरते मौत के जाल बने रहेंगे?

सांगानेर की अवैध कॉलोनियों की खाली जमीन को कब्जे में नहीं लेने पर अवमानना नोटिस



जयपुर,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी, अभिनव भंडारी और डॉ टी एन शर्मा ने सांगानेर की 87 कॉलोनी में खाली पड़े हुए भूखंडों का सरकार द्वारा कब्जा नहीं लेने और प्रभावशाली लोगों के बड़े-बड़े प्लाटों से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले में राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांशु पंत, शहरी विकास सचिव देवाशीष पुष्टि, जयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव निशांत जैन व आवास मंडल आयुक्त डॉ रश्मि को विधिक नोटिस भेजा है। इन वकीलों ने मांग की है कि 7 दिन के अंदर अंदर समस्त खाली भूखंडों पर कब्जा करें व भूमाफियाओं के द्वारा किए गए निर्माणों को ध्वस्त करें अन्यथा उनके विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय में अवमानना की कार्यवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रभावशाली लोगों ने और भूमाफियाओं ने राजस्थान सरकार से मिलीभगत करके अवैध कब्जों को वैध घोषित करवाने के लिए 12 मार्च 2025 को एक आदेश जारी करवाया कि सांगानेर की

उन सभी कॉलोनियों को नियमित किया जाएगा जिन जमीनों को हाउसिंग बोर्ड ने अवास कर ली थी और उसके बाद अतिक्रमियों ने उन जमीनों पर अवैध कब्जा कर लिया था। इस आदेश को पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था ने राजस्थान उच्च न्यायालय में जनहित याचिका पेश कर निवेदन किया था कि सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं और बड़े अधिकारियों ने मिली भगत करके सोसाइटी से फर्जी पट्टे प्राप्त कर लिए हैं और सरकार से मिलीभगत करके उनको नियमित किया जा रहा है जिस पर राजस्थान उच्च न्यायालय ने सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता को निर्देश दिए थे कि 87 कालोनियां जो बी-2 बाईपास से सांगानेर के अंदर आती है इन सभी जमीनों को हाउसिंग बोर्ड ने काशतकारो से खरीदा था और उसके बाद काशतकारो को उनका भुगतान भी कर दिया था। मगर अधिकारियों ने भूमाफियाओं के साथ मिलीभगत कर उन सभी जमीनों पर कब्जे करवा दिया और अब मिलीभगत करके ही उनका नियमन करवा रहे है। उन सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाए और उन जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रकरण को 8 सप्ताह बाद सुनवाई हेतु नियत किया गया था उसके बाद प्रभावशाली लोगों ने और भूमाफियाओं ने सरकार से मिलीभगत करके हाईकोर्ट के 20 अगस्त 2025 के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व जिला कल्याण अधिकारी सहित चार आरोपियों के खिलाफ चालान पेश

चंडीगढ़,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अंबाला ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी भूमि आवंटन घोटाले में शामिल चार आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया है। इनमें तत्कालीन जिला कल्याण अधिकारी कैथल सतनाम सिंह (सेवानिवृत्त), अशोक कुमार, कांती देवी और रामानंद (निजी व्यक्ति) निवासी बिरथे-बाहरी, जिला कैथल

शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी, 201 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(1)(डी) तथा 13(2) के तहत कैथल न्यायालय में चालान दाखिल किया गया है। मामला वर्ष 1961 का है जब हरियाणा सरकार ने गांव बिरथे-बाहरी में पाकिस्तान से आए शरणार्थियों और विमुक्त जाति के लोगों के पुनर्वास के

लिए 649 एकड़ 4 कनाल 17 मरले कृषि भूमि आवंटित की थी। इन परिवारों को यह जमीन एक-तिहाई हिस्सेदारी पर खेती के लिए दी गई थी। जब लाभार्थियों ने सरकार को निर्धारित हिस्सा नहीं दिया, तो सरकार ने 3 नवंबर 1987 को पात्र व्यक्तियों और उनके वारिसों को यह भूमि आवंटित करने के आदेश जारी किए। इसके लिए तहसील कार्यालय द्वारा एक कमेटी बनाई गई थी।

सीआईएसएफ ने भाखड़ा बांध परियोजना की सुरक्षा की आधिकारिक संभाली जिम्मेदारी

चंडीगढ़,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक भाखड़ा बांध परियोजना की सुरक्षा की सुरक्षा अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) करेगी। सीआईएसएफ यूनिट बीडीपी नंगल के यूनिट बीडीपी नंगल का भाखड़ा बांध परियोजना (बीडीपी), नंगल में एक आधिकारिक अधिष्ठापन समारोह हुआ। इस अवसर पर नवज्योति गोगोई,

महानिरीक्षक, सीआईएसएफ (उत्तरी खंड), एम. के. यादव, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ (उत्तरी क्षेत्र-खख) तथा मनोज त्रिपाठी, अध्यक्ष, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) सहित सीआईएसएफ यूनिट बीडीपी नंगल के कमांडेंट प्रतीक रघुवंशी उपस्थित रहे। यह समारोह बांध की सुरक्षा को राज्य पुलिस से औपचारिक रूप से सीआईएसएफ को हस्तांतरित करने का प्रतीक बना।

समस्याओं का समाधान करना हमारी सरकार की जिम्मेदारी : सैनी



कुरुक्षेत्र,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की हर समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। नागरिकों की समस्या सुनने के लिए मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे 24 घंटे खुले हुए हैं, इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा भी सोमवार और वीरवार को समाधान शिविरों में जनता की समस्याएं सुनी जा रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को लाडवा

में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में लाडवा विधानसभा के लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याओं को सुना, इनमें बीपीएल राशन कार्ड, परिवार पंजीकरण पत्र, बिजली और पुलिस से संबंधित शिकायतें शामिल रही। मुख्यमंत्री ने समस्याएं सुनने के बाद पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस परिसर में पौधार-पेण भी किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान हित वर्तमान सरकार की

नीतियों के केंद्र में है। प्रदेश में अब सभी फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही हैं। हाल ही में गन्ने का समर्थन मूल्य 415 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के रूप में लगभग 1,48,000 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश राज के समय से चली आ रही आबियाना प्रणाली को समाप्त कर किसानों को राहत दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में हरियाणा में सामाजिक सुरक्षा पेंशन सबसे अधिक दी जा रही है, जिसे हाल ही में 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,200 रुपये मासिक किया गया है। इसके अतिरिक्त, दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत गरीब महिलाओं को आगामी 1 नवंबर से 2,100 रुपये मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मेयर राजीव जैन की माता के निधन पर व्यक्त किया शोक



चंडीगढ़,28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को सोनीपत पहुंचे, जहां उन्होंने नगर निगम सोनीपत के मेयर राजीव जैन के निवास स्थान पर जाकर उनकी माता जी के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सात्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली और मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़वालसा भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मेयर राजीव जैन की माता शकुंतला देवी धर्मपत्नी स्व. सत्यपाल जैन का 16 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया था।

संकल्प लिया है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री ने 'चोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' का आह्वान किया है और जीएसटी सुधारों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। उन्होंने

वर्तमान सरकार के विकास और कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख भी किया। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

